NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 13 अंक: 149 लखनऊ, गुरुवार 11 जनवरी 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

गाजियाबाद का नाम बदलने का प्रस्ताव नगर निगम में पारित, मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा यह प्रस्ताव

संवाददाता।

लखनऊ उन्होंने कहा, हिंदू पवित्र ग्रंथों के अनुसार गाजियाबाद को हरनंदी के नाम से जाना जाता था जो भगवान ब्रह्मा की बेटी और गंगाजी की छोटी बहन थीं। गाजियाबाद में स्थित भगवान शिव का एक प्राचीन मंदिर दूधेश्वरनाथ लगभग 5000 साल पुराना है इसलिए गाजियाबाद का नाम बदलकर दूधेश्वरनाथ नगर का सुझाव दिया गया था। गाजियाबाद नगर निगम (जीएमसी) ने मंगलवार को गाजियाबाद का नाम बदलने का एक प्रस्ताव पारित किया। अंतिम निर्णय लेने के लिये इसे अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास भेजा जाएगा। गाजियाबाद की महापौर सुनीता दयाल ने मंगलवार को बताया, गाजियाबाद का नाम बदलने का प्रस्ताव पार्षदों द्वारा पूर्ण बहुमत से पारित किया गया और अब इसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास भेजा जाएगा। नया नाम उनके निर्णय के अनुसार रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता और हिंदू संगठनों की मांग को ध्यान में रखते हुए तीन नाम हरनंदी नगर, गजप्रस्थ और दूधेश्वरनाथ नगर सुझाए गए हैं। साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक सुनील शर्मा ने कहा कि पिछले साल उन्होंने राज्य विधानसभा में इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें गाजियाबाद का नाम बदलकर गजप्रस्थ करने का सुझाव दिया गया था। प्राचीन मंदिर दूधेश्वर नाथ के प्रधान पुजारी महंत नारायण गिरि ने पीटीआई– को बताया कि पिछले साल उन्होंने मुख्यमंत्री से बात की थी और गाजियाबाद के लिए तीन नाम गजप्रस्थ, दूधेश्वरनाथ नगर या हरनंदीनगर सुझाए थे। उन्होंने कहा कि ये नाम महाभारत के इतिहास से संबंधित हैं क्योंकि यह क्षेत्र हस्तिनापुर का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि यह एक घना जंगल था जहां हाथी रहा करते थे तथा चूंकि हाथी को हिंदी में गज कहा जाता है इसलिए गाजियाबाद को पहले गजप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। गिरि ने दावा किया कि मुगल बादशाह अकबर के करीबी सहयोगी गाजीउद्दीन ने इस नगर का नाम बदलकर गाजियाबाद कर दिया था। उन्होंने कहा, हिंदू पवित्र ग्रंथों के अनुसार गाजियाबाद को हरनंदी के नाम से जाना जाता था जो भगवान ब्रह्मा की बेटी और गंगाजी की छोटी बहन थीं। गाजियाबाद में स्थित भगवान शिव का एक प्राचीन मंदिर दूधेश्वरनाथ लगभग 5000 साल पुराना है इसलिए गाजियाबाद का नाम बदलकर दूधेश्वरनाथ नगर का सुझाव दिया गया था।

कांग्रेस के न्याय यात्रा पर जेपी नड्डा का तंज, 70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, ओबीसी के मुद्दे पर भी घेरा

एजेंसीं

नई दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी के लिए सिर्फ चार ही जातियां हैं– महिला, युवा, किसान और गरीब। अगर इन चारों का उत्थान होगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के किसी भी मुख्यमंत्री ने कभी भी अपने किसी भी वादे को याद नहीं किया या उसके बारे में बात नहीं की। असम के गुवाहाटी में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने श्भारत न्याय यात्राश को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने ओबीसी को संवैधानिक दर्जा दिया। लेकिन वे (कांग्रेस) केवल वोट चाहते हैं। नेहरू ने अम्बेडकर को संसद में प्रवेश करने से रोक दिया था। ओबीसी के साथ इतना अन्याय करने के बाद अब ये श्न्याय यात्राश निकाल

रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आर्टिकल 356 का इस्तेमाल कर 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया। ये लोग श्न्याय यात्राश निकाल रहे हैं? अगर कल कोई हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार गिरा दे तो क्या होगा?...जब राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान यहां आएं तो आपको उनसे 1984 के सिख विरोधी दंगों के बारे में पूछना चाहिए। नड्डा ने कहा कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अभूतपूर्व तरीके से बदल रहा है। आपको याद रखना चाहिए कि आप उस पार्टी से हैं जिसने भारतीय राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है। पीएम मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारतीय राजनीति की परिभाषा भी बदल गई है। उन्होंने कहा कि इससे पहले घोषणा पत्र छापो, वादे करो, सरकार में आओ, पांच साल मौज करो और फिर सरकार में आने के लिए लोगों को सपने दिखाओ, लोगों को लुभाओ और फिर सरकार में आओ... यही कल्चर था। आज मोदी जी ने हमें रिपोर्ट कार्ड पॉलिटिक्स सिखाई है, जो कहा वो किया और जो नहीं कहा वो भी किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी के लिए सिर्फ चार ही जातियां हैं– महिला, युवा, किसान और गरीब। अगर इन चारों का उत्थान होगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के किसी भी मुख्यमंत्री ने कभी भी अपने किसी भी वादे को याद नहीं किया या उसके बारे में बात नहीं की। उनकी पार्टी की संस्कृति घोषणापत्र प्रकाशित करना, वादे करना, सत्ता में आना, 5 साल तक आनंद लेना है... और फिर इस चक्र को दोहराना है... वे नए वादे करते हैं, नए सपने दिखाते हैं, सत्ता में आते हैं और लोगों को फिर से धोखा देते हैं।

कांग्रेस को राहत, मणिपुर सरकार ने यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए स्थल को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली आदेश में आगे कहा गया है कि इंफाल पूर्वी जिले के पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) ने एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें कहा गया है कि कार्यक्रम स्थल पर श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश के उद्घाटन समारोह के दौरान भारी भीड़ होने की उम्मीद है। मणिपुर सरकार ने बुधवार को मणिपुर में षसीमित संख्या में प्रतिभागियोंष के साथ भारत जोड़ो न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए स्थान को मंजूरी दे दी। मणिपुर सरकार द्वारा यह मंजूरी कांग्रेस द्वारा इम्फाल पूर्वी जिले के हप्ता कांगजीबुंग मैदान से यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए संपर्क करने के आठ दिन बाद मिली। इंफाल पूर्वी जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, षकिसी भी अप्रिय घटना और कानून–व्यवस्था में गड़बड़ी को रोकने के लिए 14 जनवरी को केवल सीमित संख्या में प्रतिभागियों के साथ यात्रा को हरी झंडी दिखाने की अनुमति दी गई है। प्रतिभागियों की संख्या और नाम इस कार्यालय को अग्रिम रूप से उपलब्ध कराया जाए ताकि यह कार्यालय सभी आवश्यक एहतियाती उपाय कर सके।श

आदेश में आगे कहा गया है कि इंफाल पूर्वी जिले के पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) ने एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें कहा गया है कि कार्यक्रम स्थल पर श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश के उद्घाटन समारोह के दौरान भारी भीड़ होने की उम्मीद है। राज्य में मौजूदा कानून एवं व्यवस्था

की स्थिति को देखते हुए, भारी भीड़ से कानून एवं व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। हालांकि, इससे पहले मणिपुर सरकार ने बुधवार को इंफाल पूर्वी जिले के हट्टा कांगजेइबुंग में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की श्भारत न्याय यात्राश के लिए श्जमीनी अनुमतिश देने से इनकार कर दिया। यात्रा 14 जनवरी को इंफाल से शुरू होने वाली है। श्भारत न्याय यात्राश बस और पैदल 6,713 किमी की दूरी तय करेगी। यह 66 दिनों में 110 जिलों, 100 लोकसभा सीटों और 337 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगा। इसका समापन 20 मार्च को मुंबई में होगा। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पार्टी के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाएंगे। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, ष्भारत जोड़ो यात्रा की तरह ही भारत जोड़ो न्याय यात्रा एक सफल यात्रा होने वाली है। यह कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है, यह यात्रा भारत की जनता के लिए की जा रही है। मैं सभी से अपील करता हूं कि इस यात्रा में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाएं।

आईआईटी-बीएचयू की छात्रा से बलात्कार के मामले को लेकर कांग्रेस का राज्यव्यापी प्रदर्शन

संवाददाता। वाराणसी उन्होंने आईआईटी–बीएचयू मामले में वाराणसी में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ दर्ज मामले को वापस लेने की भी मांग की। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में एक नवंबर की रात को आईआईटी की एक छात्रा अपने एक दोस्त के साथ अपने छात्रावास से बाहर गई थी। वह करमन बाबा मंदिर के पास थी, तभी मोटरसाइकिल पर तीन लोग वहां आए और उसे जबरन एक कोने में ले गए और उसे निर्वस्त्र कर उसका वीडियो बनाया और तस्वीरें खींची। बाद में छात्रा ने उससे सामूहिक बलात्कार किये जाने का भी आरोप लगाया था। इस मामले में तीन आरोपियों कुणाल पांडे, आनंद उर्फ अभिषेक चौहान और सक्षम पटेल को गत 31 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने वाराणसी में आईआईटी–बीएचयू की एक छात्रा से हुए बलात्कार की घटना में शामिल आरोपियों को बचाने के लिये सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए बुधवार को राज्यव्यापी प्रदर्शन किया। पार्टी ने हाल में गोरखपुर में माफिया विनोद उपाध्याय की पुलिस के साथ मुठभेड़ में हुई मौत की न्यायिक जांच की भी मांग की और आरोप लगाया कि यह सुनियोजित हत्या है क्योंकि उपाध्याय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विरोधी था। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय के पास भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने अयोध्या में कारसेवकों पर पुलिस गोलीबारी को जायज ठहराया

संवाददाता।

लखनऊ उन्होंने कहा, यह भाजपा का कार्यक्रम है और इसलिए वे सूची तय कर रहे हैं कि वहां कौन जाएगा और कौन नहीं जाएगा। जब भाजपा सूची तैयार कर रही है तो उसमें स्वामी प्रसाद मौर्य का नाम कैसे होगा? एक अन्य सवाल के जवाब में मौर्य ने भाजपा पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के जरिये चुनाव जीतने का आरोप लगाया। हालांकि अपने आरोप के बारे में विस्तार से नहीं बताया। उन्होंने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों पर हिंदू और मुसलमानों के बीच दरार पैदा करने का भी आरोप लगाया। अपने विवादित बयानों के लिये अक्सर चर्चा में रहने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने बुधवार को अयोध्या में 1990 में उत्तर प्रदेश की तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार द्वारा कार सेवकों पर गोली चलवाने के आदेश को उचित ठहराते हुए कहा कि ऐसा संविधान की रक्षा के लिए किया गया था। श्रीरामचरित मानस और हिंदू धर्म को लेकर हाल में विवादास्पद टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में रहे सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य

बौद्ध एकता समिति गंजडुंडवारा के तत्वावधान में आयोजित बौद्ध जनजागरण सम्मेलन में भाग लेने के लिए कासगंज में थे। मौर्य ने संवाददाताओं से बातचीत में एक सवाल पर कहा, अयोध्या में कार सेवकों पर गोलीबारी तत्कालीन सरकार द्वारा संविधान की रक्षा के अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा, उस समय बड़ी संख्या में अराजक तत्वों ने तोड़फोड़ की थी और तत्कालीन सरकार ने संविधान, शांति और व्यवस्था बचाने के लिए गोलियां चलवाई थीं। यह सरकार का कर्तव्य था और उसने ऐसा किया भी। मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने 30 अक्टूबर 1990 को राम भक्तों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। उस घटना में पांच कारसेवकों की मौत हुई थी। इस गोलीबारी को जायज ठहराने वाला मौर्य का बयान उस वक्त आया है जब अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। विपक्ष द्वारा नरेन्द्र मोदी सरकार पर राम मंदिर के अभिषेक समारोह का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाने के सवाल पर सपा नेता ने कहा, हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, लेकिन भाजपा लाभ लेने के लिए इसका राजनीतिकरण कर रही है, जबकि पूरा देश जानता है कि मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के आदेश पर हो रहा है। उन्होंने कहा, जब उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या मामले में आदेश दिया था तब सभी विपक्षी दलों ने इसका स्वागत किया था। इसका मतलब है कि किसी को भी राम मंदिर के निर्माण पर आपत्ति नहीं है, लेकिन भाजपा गलत तरीके से इसका श्रेय लेने की कोशिश कर रही है। मंदिर तब नहीं बना जब भाजपा के कद्दावर नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने तीन बार देश की बागडोर संभाली। इसका मतलब केवल यह है कि मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के आदेश पर हुआ, भाजपा के कारण नहीं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह 22 जनवरी को प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए अयोध्या जाएंगे, सपा नेता ने स्पष्ट कहा, मैं भाजपा के किसी भी कार्यक्रम में नहीं जाऊंगा, यह भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, न कि रामलला मंदिर का। उन्होंने कहा, यह भाजपा का कार्यक्रम है और इसलिए वे सूची तय कर रहे हैं कि वहां कौन जाएगा और कौन नहीं जाएगा। जब भाजपा सूची तैयार कर रही है तो उसमें स्वामी प्रसाद मौर्य का नाम कैसे होगा? एक अन्य सवाल के जवाब में मौर्य ने भाजपा पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के जरिये चुनाव जीतने का आरोप लगाया। हालांकि अपने आरोप के बारे में विस्तार से नहीं बताया। उन्होंने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों पर हिंदू और मुसलमानों के बीच दरार पैदा करने का भी आरोप लगाया।

वही होता है जो मंजूर–ए–मोदी और शाह होता है, स्पीकर के फैसले पर उद्धव गुट ने कहा– कानूनी लड़ाई लड़ेंगे

एजेंसी।

महाराष्ट संजय राउत ने साफ तौर पर कहा कि यह मैच फिक्स था। उन्होंने कहा कि जनता के बीच से शिवसेना को नहीं खत्म किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हम इस मामले को लेकर लड़ते रहेंगे। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि भाजपा की गोद में बैठकर कुछ लोग बाला साहब ठाकरे की भावनाओं से खेल रहे हैं। एकनाथ शिंदे के लिए एक बड़ी जीत में, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बुधवार को फैसला सुनाया कि उनके नेतृत्व वाला शिवसेना गुट वैध था क्योंकि उन्हें पार्टी के बहुमत विधायकों का समर्थन प्राप्त था। उन्होंने यह भी फैसला सुनाया कि शिंदे गुट के विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि तत्कालीन शिवसेना के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु के पास विधानमंडल की बैठक बुलाने का कोई अधिकार नहीं था। यह उद्धव ठाकरे गुट के लिए बड़ा झटका है। इसी को लेकर शिवसेना (यूबीटी) ओर से प्रतिक्रिया दी गई है। सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मैं बिल्कुल भी आश्चर्यचकित नहीं हूं। हमने सुना था श्वही होता है जो मंजूर–ए–खुदाश होता हैश... 2014 के बाद एक नई परंपरा शुरू हुई है, श्वही होता है जो मंजूर–ए–नरेंद्र मोदी और अमित शाह होता हैश। उन्होंने कहा कि यही हम महाराष्ट्र में होते हुए देख रहे हैं...यह नैतिकता के साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण समझौता है। जिस चीज को सुप्रीम कोर्ट ने श्अवैधश और श्असंवैधानिकश कहा था, उसे श्कानूनीश में बदला जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। संजय राउत ने साफ तौर पर कहा कि यह मैच फिक्स था। उन्होंने कहा कि जनता के बीच से शिवसेना को नहीं खत्म किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हम इस मामले को लेकर लड़ते रहेंगे। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि भाजपा की गोद में बैठकर कुछ लोग बाला साहब ठाकरे की भावनाओं से खेल रहे

हैं। उन्हें चोट पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की साजिश है और यह उनका सपना था कि एक दिन हम बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को खत्म कर देंगे। लेकिन शिवसेना इस एक फैसले से खत्म नहीं होगी...हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बुधवार को कहा कि 21 जून, 2022 को जब प्रतिद्वंद्वी समूहों का उदय हुआ तो शिवसेना का एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला धड़ा ही 'असली राजनीतिक दल' (असली शिवसेना) था। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी धड़े द्वारा एक–दूसरे के विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर अपना फैसला पढ़ते हुए नार्वेकर ने यह भी कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के सुनील प्रभु 21 जून, 2022 से सचेतक नहीं रहे। विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि शिवसेना के 'प्रमुख' के पास किसी भी नेता को पार्टी से हटाने की शक्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को सौंपा गया 1999 का पार्टी संविधान मुद्दों पर फैसला करने के लिए वैध संविधान था। उन्होंने कहा कि इस संविधान के अनुसार 'राष्ट्रीय कार्यकारिणी' सर्वोच्च निकाय है।

दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुसे चोर, दबोचा

-चोरों के जेब से रूपये व मशीन के खोले गए पार्ट को किया बरामद

संवादाता। लखनऊ । राजधानी के चिनहट क्षेत्र में एक दुकान में मौका पाकर चोर चोरी करने के इरादे से घुस गये। उधर दुकान में सो रहे एक मजदूर ने चोरों को दौड़ाकर पकड़ लिया। चोरों की पिटाई करने के लिए पुलिस को सौंप दिया। तहरीर मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।पीड़ित धीरेन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र कुमार सिंह निवासी कंचन पुर मटियारी ने थाना चिनहट पर सूचना दिया कि वादी की कार धुलाई की दुकान (दयाल वांशिग सेंटर) में पूर्व में कई बार देर रात्रि चोरी की घटनायें होती चली आ रही थी। नौ जनवरी को समय करीब 12.10 बजे रात्रि में दो अज्ञात लड़के वादी की उक्त दुकान के शटर को तोड़कर अन्द घुसे। दुकान के अन्दर निर्मल नाम का एक युवक सो रहा था, जो कि उसकी दुकान पर कार धुलाई का काम करता है। जैसे ही उक्त दोनों अज्ञात लड़के उसके दुकान में घुसे निर्मल उपरोक्त ने उनमें से एक लड़के को दौड़ाकर पकड़ लिया। दूसरा लड़का भागने लगा तो उसे उसने पकड़ लिया। पकड़े गये लड़कों को चेक करने पर वादी का पर्स व उसके रखे 500–500 के दो नोट व मशीन के खोले गये पार्ट उनके पास से बरामद किया गया। नाम पता पूछने पर दोनों लड़कों ने अपना नाम सानू पुत्र नियाज उम्र करीब 19 वर्ष, संदीप पुत्र सुखलाल निवासीगण –अकबर नगर फैजाबाद रोड लखनऊ बताया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को दबोच लिया। साथ ही दुकानदार की तहरीर मिलने पर पकड़े गए चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

ठगी महसूस होने पर थाने पहुंचकर दी तहरीर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

संवाददाता। लखनऊ । राजधानी के थाना गोमतीनगर विस्तार में ठगों ने घर में अशांति और शुद्ध करने के नाम पर रास्ते में जा रही महिला से जेवर लेकर पुड़िया में रख लिया। इसके बाद फिर एक कागज की पुड़ियां में बंद करके देने के बाद वहां से फरार हो गया। ठग के जाने के बाद महिला ने जब कागज की पुड़िया खोला तो जेवर गायब थे। जेवर की जगह पुड़िया में पत्थर मिले। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।केशव सिंह पुत्र स्व. रमाकान्त सिंह निवासी गोमतीनगर विस्तार मूल निवासी ग्राम जमौली खुर्द थाना बांसगां जनपद गोरखपुर ने थाना गोमतीनगर विस्तार पर सूचना दिया कि आठ जनवरी को शाम करीब चार बजे वादी की पत्नी सुमन अपने घर से अपनी दुकान पूजा गारमेन्टस खरगापुर जा रही थी। रास्ते में त्रम्बकेश्वर धाम मन्दिर से थोड़ा आगे उसकी पत्नी को दो अज्ञात व्यक्ति मिले और वादी की पत्नी से पता पूछा और उक्त दोनों ने उसकी पत्नी से कहा कि आप के घर में बहुत अशान्ति है। इसके बाद उक्त लोगों ने उसकी पत्नी को एक कागज दिया और कहा कि आपके जेवर अशुद्ध हैं। आप अपना जेवर इस कागज में रखकर दे दो वह लोग शुद्ध करके दे देगें। इसके बाद उक्त लोगों ने वादी को पत्नी का फिर कागज की पुड़िया को वापस कर दिया। वादी की पत्नी दुकान पर आकर कागज की पुड़िया को खोला तो देखा कि उसमें उसकी पत्नी के रखे जेवर गायब थे। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लविवि में छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता। लखनऊ । लविवि में एक छात्रा ने तिलक छात्रावास में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला को समाप्त कर लिया। छात्रा ने सुसाइड करने से पहले मोबाइल का वीडियो कैमरा को आन रखा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने के बाद शव को कब्जे में लिया। छात्रा ने क्यों सुसाइड किया इसका सही कारण पता नहीं चल पाया है। फोरेंसिक की टीम भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किया। पुलिस के मुताबिक छात्रा का नाम अंशिका है और वह बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की तृतीय वर्ष की छात्रा थी। छात्रा अपाला ब्लॉक में रहती थी। शाम के समय छात्रा ने वीडियो कैमरा आन करने के बाद फिर फांसी पर झूल गयी। जानकारी मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। वारदात के बाद चर्चा रही की छात्रा ने प्रेम प्रसंग के चलते फांसी लगाकर जान दे दी। हालांकि हसनगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। अभी फांसी लगाने के कारण का पता नहीं चल पाया है। शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 11 जनवरी 2024
sheelshukla100@gmail.com

फिरौती की रकम न देने पर दबंगों ने दूध व्यवसायी को मारी गोली

संवाददाता।

लखनऊ । राजधानी में गुडम्बा थानाक्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने दूध व्यवसायी को गोली मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन–फानन में अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि फिरौती न देने पर दबंगों ने गोली मारी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद गोली मारने के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।सुफियान पुत्र स्व. जहीर निवासी–आदिलनगर टेढ़ी पुलिया कुर्सी रोड ने थाना गुडम्बा पर सूचना दिया कि वह दूध का व्यवसाय करता है। उससे दाउद पुत्र सुलेमान ने रंगदारी मांगी थी, जिसे वादी ने नजर अंदाज कर दिया। जिससे दाउद उससे रंजिश रखने लगा और जान से मारने की धमकी दी थी। मंगलवार को समय करीब 9.30 बजे रात्रि को वादी घर से बाहर निकलकर कुछ दूरी पर पहुंचा था जहां पर पहले से घात लगाकर बैठे दाउद सिद्दीकी पुत्र सूलेमान सामने से आकर वादी को गोली मार दी, जो वादी के कंधे के नीचे हाथ में लगी। इतने में दाउद के साथ आये सलमान देशी पुत्र फुरकान ने भी फायर किया जो मिस कर गयी। गोली की आवाज सुनकर उसको बचाने उसका भाई इमरान आया तो उसे फरहान पुत्र इरफान व कलीम ने लोहे की राड से मारकर लहूलुहान कर दिया। वादी को मुजीब पुत्र वसीम ने लाठी से मारा जब आस–पड़ोस के काफी लोग एकत्र हो गये तो दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हवाई फायर किया जाने लगा जिससे भय का माहौल व्याप्त हो गया। वादी द्वारा रंगदारी न देने पर दाउद सिद्दीकी पुत्र सुलेमान, सलमान देशी पुत्र फुरकान, मुजीर पुत्र वसीम निवासीगण आदिलनगर गुडम्बा, फरहान पुत्र इरफान निवासी गायत्रीपुरम गुडम्बा, कलीम पुत्र अज्ञात निवासी–सेक्टर जे. जानकीपुरम व दो अन्य अज्ञात लोगों द्वारा उक्त घटना को अंजाम दिया गया। वादी का ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने के बाद गोली मारने वालों की तलाश में जुट गई। कुवार को पुलिस दो आरोपी सलमान और कलीम को पकड़ने में सफल रही। बाकी की तलाश जारी है।

बीस लाख का गांजा के साथ एक गिरफ्तार

–उड़ीसा से प्रयागजराज व आसपास के जनपदों में गांजा की हो रही थी सप्लाई

लखनऊ ।एसटीएफ यूपी को अन्तर्राज्यीय स्तर पर अवैध मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 245.600 किलोग्राम गांजा जिसकी कीमत अर्न्तराष्ट्रीय कीमत लगभग 20 लाख बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम सुजीत कुमार गौतम पुत्र स्व. सरदारी लाल निवासी प्रयागराज है। विगत कुछ दिनों से एसटीएफ यूपी को उड़ीसा आन्ध्र प्रदेश आदि राज्यों से अवैध मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले शातिर तस्करों के सक्रिय होने की सूचनाएं प्राप्त हो रही थी। एसटीएफ यूपी लखनऊ की एक टीम जनपद सोनभद्र में मौजूद थी। इस दौरान सूचना मिली कि कुछ लोग उड़ीसा राज्य से अवैध मादक पदाथ (गांजा) की बड़ी खेप लेकर बोलेरो पिकप से उड़ीसा राज्य से प्रयागराज आने वाले है। इस सूचना पर एसटीएफ टीम द्वारा लोढ़ी टोल प्लाजा के निकट, थाना–रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र के पास उक्त बोलेरो पिकप को रोककर तलाशी ली गयी, तो उसमें भारी मात्रा में गांजा पाया गया, जिस पर उसे कब्जे में लेते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ पर बताया कि उसका एक संगठित गिरोह है, जो बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ (गांजा) की तस्करी करता है। गिरोह के सदस्य उड़ीसा और आंध्र प्रदेश से गांजे की बड़ी खेप लाकर विभिन्न राज्यों में सप्लाई करते है। इस गिरोह का सरगना शारदा केसरवानी निवासी करछना, प्रयागराज है, जो उड़ीसा के बड़े तस्करों से सम्पर्क कर गांजा मंगाता है। शारदा केसरवानी वहां के तस्करों से डील करके अपने कैरियरों के माध्यम से यूपी में गांजा मंगाता है, जिसे गैंग के सदस्यों द्वारा प्रयागराज व आस–पास के जनपदों में इसकी सप्लाई कराता है। इस काम के लिए सुजीत उपरोक्त को प्रति चक्कर 80 हजार रुपए शारदा केसरवानी देता है। अग्रिम कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।

सरकार हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने का कार्य कर रहीं है – केशव प्रसाद मौर्य

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम–अटसराई में स्थित तालाब को भव्य अमृत सरोवर बनाने के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मंगलवार को कौशाम्बी के ग्राम पंचायत–अटसराई में आयोजित "विकसित भारत संकल्प यात्रा" कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि "विकसित भारत संकल्प यात्रा", यह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गरीब कल्याण के लिए, किसानों के उत्थान के लिए, नौजवानों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एवं सबके जीवन में खुशहाली लाने के लिए समर्पित कार्यक्रम है प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम के तहत यह भी व्यवस्था की है कि विभिन्न विभागों के स्टॉल भी लगाये जाय। इन स्टॉलों का उद्देश्य छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत बड़ा अभियान चल रहा हैं। प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वन्दन अधिनियम–2023 को संसद में कानून बनाया है। आने वाले समय में ग्राम प्रधान व नगर पालिका की तरह 33 प्रतिशत महिलायें लोकसभा में चुनकर जायेंगी, उनके लिए सीटें आरक्षित करने का कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार ने किया हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष–2017 से पूर्व जनपद कौशाम्बी में विकास के कार्य ठप पड़े थे, वर्ष–2017 में सरकार बनने पर जनपद कौशाम्बी में लगभग 51 हजार गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि जिनको आवास मिला है, उन्हें शौचालय, उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन आदि योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया है। जनपद कौशाम्बी में एक लाख 80 हजार लोगों को उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीबों को दीपावली व होली पर गैस भराने के लिए धनराशि देने का भी कार्य कर रहें हैं। सौभाग्य योजना के तहत गरीबों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन देने का कार्य किया है, मोदी जी की मंशा है कि किसी गरीब के घर में अंधेरा नहीं रहना चाहिए। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत विगत लगभग 03 वर्षों से गरीबों को निःशुल्क राशन देने का कार्य किया जा रहा है, जिसे प्रधानमंत्री ने आगामी 05 वर्षो के लिए और बढ़ा दिया है। उ0प्र0 में 15 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन देने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामवासियों से कहा कि जो पात्र लोग योजना यथा–आवास, पेंशन व गैस कनेक्शन आदि के लाभ से छूट गये हैं, वे लगाये गये स्टॉलों पर पंजीकरण कराकर योजना से लाभान्वित कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रतिवर्ष रू0–06 हजार देने का कार्य प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा है। जनपद कौशाम्बी में 02 लाख 16 हजार 804 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष–2047 तक देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया है, देश विकसित बनेंगा तो गरीबों का विकास होगा, देश के विकास का मतलब गरीब का विकास। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मन्दिर का निर्माण कार्य हो रहा है। 22 जनवरी 2024 को लगभग 500 वर्ष बाद रामलला राम मन्दिर में विराजमान होंगे। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि 14 जनवरी से 22 जनवरी तक देश का हर ग्राम, अयोध्या धाम है, जैसे अयोध्या में स्वच्छता का अभियान चल रहा है, वैसे ही हर गॉव में स्वच्छता अभियान चलेगा। हर ग्राम अयोध्या धाम, हर मन्दिर ,राम मन्दिर है। उन्होंने कहा कि अगर अयोध्या, काशी व मथुरा की सड़कें अच्छी बनी हैं, तो वहीं जनपद कौशाम्बी सहित सम्पूर्ण प्रदेश में भी अच्छी सड़कें बनाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास का जो पिक्चर आप देख रहें है, अभी तो वह झॉकी है, बहुत व्यापक पिक्चर दिखाना बाकी हैं। भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, हर गरीब के जीवन में खुशहाली लाना है। प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना शुरू की गई है, जिसका लाभ बहुत से युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि जो व्यक्ति जिस योजना के लिए पात्र है, उसे उस योजना का लाभ मिलें, कोई भ्रष्टाचार करता है तो उसे जेल भेजने का कार्य किया जायेंगा, यदि कोई अच्छा कार्य करता है तो उसे सम्मान व पुरस्कार देने का कार्य किया जायेंगा।

मिलियन प्लस शहरों को वायु गुणवत्ता सुधार के लिए मिलेगी प्रोत्साहन राशि

पांच शहरों को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार देगा 255.12 करोड़ रूपये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नगरीय जीवन गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण को बेहतर व प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदेश के मिलियन प्लस शहरों को 255.12 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी। इस राशि के उपयोग से वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए जन जागरूकता के साथ ही आवश्यक प्रयास भी किये जायेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार पिछले 09 वर्षों से भारतीय शहरों को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में वायु प्रदूषण से निपटने, सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने और प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–24 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को अवितरित अनुदानों के वितरण हेतु उत्तर प्रदेश के मिलियन प्लस श्रेणी के 05 शहरों को वित्तीय वर्ष 2023–24 मेंकमी लाने तथा वायु गुणवत्ता सुधार के दृष्टिगत उच्च प्रदर्शन किये जाने के फलस्वरूप कुल 255.12 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी। तत्क्रम में, पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के मिलियन प्लस शहरों में आगरा, कानपुर, वाराणसी, गाजियाबाद और मेरठ को यह धनराशि उपलब्ध करायी जाएगी। यह धनराशि इन शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार को और भी बेहतर बनाने के लिए किये जाने वाले कार्यों के लिए उपयोग की जाएगी। धनराशि के प्रयोग से वायु गुणवत्ता सुधार के लिए शहरवासियों में जन जागरूकता उत्पन्न करने, शहरों की सड़कों पर धूल नियंत्रण (ब्द10), प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर नियंत्रण, पोधारोपण और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे कार्य सम्मिलित होंगे। इस धनराशि के आवंटन से उत्तर प्रदेश के इन शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार होने से पर्यावरण वायु प्रदूषण मुक्त होगा फलस्वरूप नगरवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण देने के लिए चलायी जा रही केंद्र और राज्य सरकार की मुहिम को बल मिलेगा।

चटोरी गली में साफ–सफाई कर रहे नगर निगम कर्मियों को स्मारक समिति के हड़ताली कर्मचारियों ने दौड़ाया

– गोमती नगर स्थित डॉ0 भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल वाह्य में कराया जा रहा था साफ–सफाई का कार्य

संवाददाता।

लखनऊ । अचानक झुंड में आये हड़ताली कर्मचारियों ने काम बाधित करते हुए सफाई कर्मियों को खदेड़ा, हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बवाल कर रहे स्मारक समिति के कर्मियों को हिरासत में लिया है। समतामूलक चौराहे के पास स्थित चटोरी गली (आशा ज्योति लेन) में साफ–सफाई का काम कर रहे नगर निगम के कर्मियों को हड़ताल पर चल रहे स्मारक समिति के कर्मचारियों ने खदेड़ दिया। झुंड बनाकर आये हड़ताली कर्मचारियों ने सफाई कर्मियों को धमका कर भगा दिया, जिससे सफाई का कार्य बाधित हो गया। अचानक हुयी इस घटना से मौके पर अफरा–तफरी मच गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को तितर–बितर करके बवाल कर रहे कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया।

विशेष कार्याधिकारी/प्रबंधक प्रशासन राजीव कुमार ने बताया कि स्मारक समिति के कर्मचारियों ने पिछले कुछ दिनों से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल करते हुए कार्य बहिष्कार किया जा रहा है। जिसे लेकर कर्मचारियों से कई क्रम वार्ता की गयी है तथा सम्बंधित मांगों पर उच्चाधिकारियों द्वारा आश्वासन देते हुए कुछ मांगों पर कार्य प्रारम्भ भी कराया गया है। इसके बावजूद स्मारक समिति के कुछ कर्मचारी अपने व्यक्तिगत स्वार्थ को साधने के चक्कर में अन्य कर्मचारियों को बरगला कर हड़ताल जारी रखने का षडयंत्र कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर से कर्मचारी हैं, जिन पर कर्मचारी आचरण संहिता के उल्लंघन का आरोप है तथा वे पूर्व में निलम्बित भी रह चुके हैं।उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के हड़ताल करने से स्मारकोंध्पार्कों में साफ–सफाई की व्यवस्था बाधित हो रही है। इससे पर्यटकों को असुविधा न हो, इसके लि, आउट सोर्सिंग कर्मियों के माध्यम से साफ–सफाई का कार्य करवाया जा रहा है। इस क्रम में बुधवार को समतामूलक चौराहे के पास चटोरी गली में सफाई आदि का कार्य कराया जा रहा था। तभी दोपहर करीब 12:30 बजे स्मारक समिति के कर्मचारी कौशल किशोर आदित्य, चन्द्रपाल सिंह, छोटेलाल, जगत सिंह रावत, महिपत आदि लगभग 40–50 कर्मचारियों का झुंड बनाकर मौके पर पहुंच गये तथा स्थल पर कार्य करवा रहे प्राधिकरण तथा स्मारक समिति के अधिकारियों से बहस करने लगे। अधिकारियों ने कर्मचारियों से वार्ता करके उन्हें शांत करने का प्रयास किया, लेकिन इस बीच कुछ कर्मचारियों ने हंगामा व हाथापाई करते हु, सफाई कर रहे नगर निगम के कर्मचारियों को वहां से खदेड़ कर काम बाधित कर दिया। हंगामे की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने बवाल कर रहे कर्मचारियों का नेतृत्व कर रहे कौशल किशोर आदित्य समेत अन्य लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले जाया गया। इस मामले में स्मारक समिति के अधिकारी की तरफ से सम्बंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया है।

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी

हिन्दी के प्रचार प्रसार के साथ ही रोजगार से जोड़ने की जरूरत

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा विश्व हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर व्याख्यान आज एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हिन्दी भवन, के निराला सभागार लखनऊ में किया गया।

इस मौके पर डॉ0 कैलाश देवी सिंह, डॉ0 बलजीत श्रीवास्तव व डॉ0 अनुराधा पाण्डेय 'अन्वी' को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत डॉ0 अमिता दुबे, प्रधान सम्पादक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ0 कैलाश देवी सिंह ने कहा– हिन्दी को विश्व पटल पर पहुँचाने में फिल्मों, शैक्षिक संस्थानों, संचार माध्यमों ने काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। विश्व के अधिकांश देशों ने हिन्दी के महत्व को समझा है। अतीत में भी विदेशों में हिन्दी के क्षेत्र में काफी कार्य हुआ है। विदेशी विद्वानों ने हिन्दी भाषा के व्याकरण पर महत्वपूर्ण कार्य किया है। ई.मैग्जीन के माध्यम से हिन्दी भाषा का विकास निरन्तर हो रहा है। डॉ0 जार्ज ग्रियर्सन ने 'भारत का भाषा सर्वेक्षण' पुस्तक लिखकर हिन्दी के लिए महती कार्य किया। विदेशी साहित्यकारों ने भारतीय साहित्य का अनुवाद के माध्यम से हिन्दी को समृद्ध किया है। फादर कामिल बुल्के ने 'रामकथा' की रचना करके महान कार्य किया है। भारतीय लेखक, साहित्यकार आज विदेशों में हिन्दी को आगे बढ़ाने में निरन्तर प्रयासरत हैं। ये लेखक कथालेखन, आत्मकथा, संस्मरण, निबंधों आदि के माध्यम से हिन्दी को आगे बढ़ा रहे हैं।

डॉ0 बलजीत श्रीवास्तव ने कहा कि हिन्दी को विश्व मंच पर पहुँचाने का कार्य भारत ने कठिन प्रयास किये हैं। 160 से अधिक देशों में हिन्दी पढ़ी एवं पढ़ाई जा रही है। मारीशस को लघु भारत भी कहा जाता है। वहाँ हिन्दी भाषा का प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया जाता है। सूरीनाम व मारीशस हिन्दी भाषा के माध्यम से भारतीय संस्कृति को समृद्ध कर रहे हैं। जार्ज ग्रियर्सन ने हिन्दी भाषा को समृद्ध करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। भारतीय लेखक, साहित्यकार विदेशों में हिन्दी भाषा के व्यापक प्रचार–प्रसार में संघर्षरत हैं। विदेशों के विश्व विद्यालय–महाविद्यालयों में भी पठन–पाठन कार्य किये जा रहे हैं। फिजी में भी साहित्यिक संस्थाएं हिन्दी को आगे बढ़ाने में लगा हुआ है। विदेशों में स्थित शिक्षण केन्द्र हिन्दी को पुष्पित एवं निरन्तर पल्लवित कर रहे हैं। विश्व में रेडियो ने हिन्दी को काफी आगे बढ़ाया है। सूरीनाम, रूस जैसे देशों में आकाशवाणी केन्द्र हैं जिनसे हिन्दी में कार्यक्रम निरन्तर प्रसारित किये जाते हैं। डॉ0 अनुराधा पाण्डेय 'अन्वी' ने कहा – आज गैर हिन्दी भाषी भी हिन्दी को आत्मसात कर रहे हैं। हिन्दी 'हिन्दी की क्या बात करूँ मैं हिन्दी मुझसे बतियाती है'। हिन्दी हमारे हृदय के काफी निकट है। हिन्दी में संप्रेषणीयता के गुण प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं हिन्दी का उद्भव देव भाषा संस्कृत से हुआ है। हिन्दी भाषा के व्याकरण संस्कृत भाषा से समृद्ध हुआ है। हिन्दी में ग्रहणशीलता के गुण है। हिन्दी भाषा लेखन एवं पाठन में सरलता है। हिन्दी एक सरल एवं लचीली भाषा है। हिन्दी का विकास संस्कृत से हुआ है। हिन्दी भाषा संपर्क भाषा के रूप में काफी प्रचलित है। भारत एक बहुभाषी देश है। आजादी के बाद हिन्दी का विरोध धीरे–धीरे समाप्त होता जा रहा है। आज वैश्विक समाज पर हिन्दी अपना स्थान बनाती जा रही है। विश्व में हिन्दी बोली जाने वाली तीसरी भाषा है। हिन्दी फिजी की आधिकारिक भाषा है। मारीशस में हिन्दी भाषा का व्यापक प्रसार हो रहा है। मारीशस एवं सूरीनाम में अनेक पत्र–पत्रिकाएं भी प्रकाशित हो रहीं है। पूरे विश्व में हिन्दी साहित्य काफी लोक प्रिय हो रहा। डॉ0 अमिता दुबे, प्रधान सम्पादक, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस संगोष्ठी में उपस्थित समस्त साहित्यकारों, विद्वतजनों एवं मीडिया कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

बाहर से अयोध्या आने वाले आगन्तुकों के साथ मृदुभाषी किया जाए व्यवहार किया

संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था ने बैठक कर दी नसीहत निर्धारित दरों के हिसाब से ही आगन्तुकों से लिया जाए किराया

लखनऊ। अयोध्या में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम व रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राजधानी की पुलिस भी सक्रिय हो गई है। चूंकि इस कार्यक्रम में बड़े पैमाने से देश व विदेश से लोगों के आने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में उनके साथ होटल संचालक, रेस्टोरेन्ट संचालक व ट्रेवल एजेंसी अच्छा व्यवहार करें। इस में उनके साथ बैठक कर आगुन्तकों के साथ अच्छा व्यवहार करने की नसीहत दी। पुलिस लाइन में होटल एंड रेस्टोरेन्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं ट्रैवल एजेंसी एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं उनके सदस्यों के साथ एक बैठक की गयी। जिसकी अध्यक्षता संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था उपेंद्र कुमार अग्रवाल लखनऊ द्वारा की गयी। बैठक में जनपद अयोध्या में 22 जनवरी को प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत कहा कि आने वाले सभी आगन्तुकों के साथ मृदुभाषी व्यवहार किया जाये। इसके लिए होटल रेस्टोरेन्ट के स्टाफ एवं टैक्सी के ड्राइवर आदि को निर्देशित करते हुए संवेदनशील बनाया जाये। जेसीपी ला एंड आर्डर ने कहा कि निर्धारित दरों पर ही किराया आदि वसूला जाये। किसी भी दशा में अधिक दरें न ली जायें। मात्र इस 22 जनवरी के कार्यक्रम के दृष्टिगत न देखा जाये बल्कि भविष्य में भी लम्बी अवधि के लिये श्रद्धालुओं एवं टूरिस्ट का आगमन होगा। अतः लम्बी दृष्टि के व्यवसाय के हित में भी देखा जाये। होटल में सीसीटीवी कैमरे आदि कार्यरत दशा में हों, यह सुनिश्चित कर लिया जाये। होटल में आने वाले आगन्तुकों के पहचान पत्र आदि अवश्य लिये जायें एवं केवाईसी पूर्ण रखा जाये ताकि किसी प्रकार की कोई संदिग्ध गतिविधि होने पर तत्काल सूचना एवं अभिलेख पुलिस के साथ शेयर किया जा सके। अयोध्या जाने के लिए मुख्य रूट के रूप में अहिमामऊ से सुल्तानपुर रोड होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से होकर जाने का मार्ग सभी को बताया जाये। साथ ही सभी ड्राइवरों को भी इसी मार्ग से जाने के लिए निर्देशित किया जाये। आने वाले आगन्तुकों व श्रद्धालुओं को भी अयोध्या जाने के वैकल्पिक मार्ग की भी जानकारी दें, जिससे वे पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से होकर सुगम तरीके से अयोध्या जा सकें। होटल आदि में रुकने वाले आगन्तुकों द्वारा किसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करवाने की दशा में यदि इनके द्वारा किसी ड्रोन आदि का प्रयोग किया जाता हो तो उन्हें अनुमति लेने के लिए अवश्य निर्देशित कर दें।

सी.ए. फाइनल परीक्षा में सी.एम.एस. के चार छात्र सफल, बने चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

लखनऊ, 10 जनवरी। सिटी मोंटेसरी स्कूल के चार मेधावी छात्रों ने चार्टर्ड एकाउन्टेन्सी की फाइनल परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित कर सी.एम.एस. का गौरव बढ़ाया है। चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट बनने वाले इन छात्रों में कान्हा अग्रवाल, अंशिका जैन, भुवनेश राजपाल एवं सर्वग्य शामिल हैं, जिनमें कान्हा अग्रवाल ने लखनऊ में तीसरा स्थान जबकि अंशिका जैन ने पाँचवा स्थान हासिल किया है। चार्टर्ड एकाउन्टेन्सी (सी.ए.) की परीक्षा इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया के तत्वावधान में आयोजित हुई, जिसके परिणाम घोषित कर दिये गये हैं। इन सभी छात्रों की सफलता पर सी.एम.एस. परिवार को गर्व है, जिन्होंने मेहनत व लगन के दम पर अपने सपनों को साकार किया है। इन छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इन सभी मेधावी छात्रों की उल्लेखनीय सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सिटी मोंटेसरी स्कूल के चार मेधावी छात्र, जिन्होंने इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया के तत्वावधान में आयोजित चार्टर्ड एकाउन्टेन्सी (सी.ए.) की फाइनल परीक्षा में सफलता अर्जित कर सी.एम.एस. का गौरव बढ़ाया है।

सी.एम.एस. गोमती नगर प्रथम कैम्पस के छात्र कान्हा अग्रवाल ने आई.सी.एस.सी. (कक्षा–10) की परीक्षा 93.4 प्रतिशत व आई.एस.सी. (कक्षा–12) की परीक्षा 96.75 प्रतिशत अंको के साथ से उत्तीर्ण की। कान्हा का कहना है कि सी.एम.एस. शिक्षकों ने मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने में बहुत मदद की, जिससे मेरे मन से परीक्षा का डर निकल गया। इसी प्रकार, सी.एम.एस. महानगर कैम्पस की छात्रा अंशिका जैन ने एक अनौपचारिक वार्ता में बताया कि कड़ी मेहनत व संकल्प ही मेरी इस सफलता का राज है। मेरे शिक्षकों ने मुझे सदैव उच्च सफलता हेतु प्रेरित किया। इसी प्रकार, सी.ए. में चयनित सी.एम.एस. के अन्य छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को दिया।

आरएसएस कार्यकर्ताओं ने श्री रामभक्त देशराज राठौर का किया स्वागत।

धौलपुर । जिले के सरमथुरा से देशराज राठौर पैदल चलकर अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने जा रहे है आज देर रात राजाखेड़ा पहुंचने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं के द्वारा तिलक लगाकर,माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत और सम्मान किया।श्रीरामभक्त देशराज राठौर ने बताया कि श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सम्मलित होकर में धन्य हो जाऊंगा राम मंदिर के लिए जो संघर्ष 500 वर्षों से किया जा रहा था।22 जनवरी को उसकी जीत की खुशी में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सरमथुरा से अयोध्या तक पैदल चलने का संकल्प मेने लिया है।मैं सभी श्रीरामभक्तों से

अपील करता हूं की 22 जनवरी को अपने घरों में कम से कम 5 दीपक जरूर जलाएं इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह के कार्यक्रम को दीपावली के त्योहार के रूप में धूमधाम से मनाएं।स्वागत के दौरान अनूप गुप्ता,राजेश कुमार,अर्जुन सिंह, आनंद शर्मा,लाखन सिंह,कुश राठौर(लिंक),हरवीर सिंह,योगेंद्र सिंह,आकाश राठौर,नीरज राठौर, ध्रुव झा,हरेंद्र सिंह,यतेंद्र सिंह,सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रामभक्तों ने घर-घर जाकर बांटे पीले चावल,राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दिया निमंत्रण

धौलपुर। अयोध्या मे प्रभु श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है। अयोध्या से आए पीले चावल, चित्र और पत्रकों का घर–घर वितरण कर 22 जनवरी के लिए न्योता दिया जा रहा है। जिले में राम भक्तों की कई टोलियां बनाई गई हैं जो हर गांव व शहर के गली मोहल्ले में जाकर रामधुन करते हुए घर–घर पीले चावल, चित्र और पत्रकों का घर–घर वितरण कर 22 जनवरी को दीपावली मनाने का

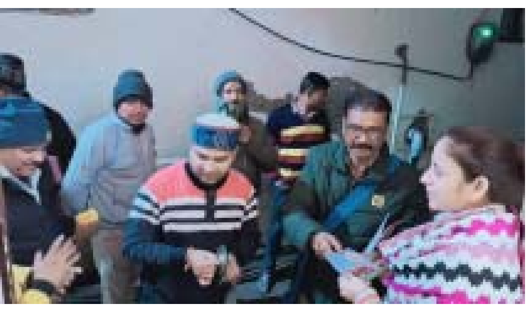

आग्रह कर रही हैं।बजरिया और गडरपुरा क्षेत्र में राम भक्तों की टोली के साथ चल रहे राम भक्त मुकेश सूतैल ने बताया कि 500 सालों के लंबे इंतजार के बाद रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर राम भक्तों की टोली घर–घर जाकर पीले चावल बांट रही है और राम भक्तों से 22 जनवरी को अपने घर और मंदिर में भजन, आरती, हनुमान चालीसा, सुंदर कांड, रामायण पाठ और रामरक्षा स्त्रोत आदि का सामूहिक पाठ करने की अपील कर रहे हैं।वहीं राम भक्त मोनू गर्ग ने बताया कि 22 जनवरी को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रभु श्री राम के जयकारों के साथ राम भक्तों की टोली निमंत्रण देने के लिए घर–घर पहुंच रही हैं। हर राम भक्त बेहद उत्साहित नजर आ रहा है।राम भक्त सचिन बघेला ने बताया कि रामलला के विराजमान होने की खुशियों को दोगुना करने के लिए रामभक्त अपने–अपने तरीके से जश्न मनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस मौके पर पूरन सेठ, राघवेंद्र पछगइयां, अमित शर्मा, आकाश बघेला, जीत सिंह, दीपू कुशवाह, जय सिंह, सर्वेश मिश्रा, रमाकांत, टीकम सिंह, लाला, नरेश, रवि, हिमांशु, योगेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में राम भक्त मौजूद रहे।

380 कामगार जाएंगे इजराइल, पुनर्निर्माण में काम के लिया किया आवेदन

एक लाख से ऊपर होगी सैलरी-मिलेगी कई सुविधाएं

संवाददाता।
सुलतानपुर । युद्धग्रस्त देश इजराइल जाने के लिए बड़ी तादाद में सुल्तानपुर के कामगार आगे आए हैं। भवन निर्माण की विभिन्न श्रेणियों के सैकड़ों श्रमिकों ने श्रम विभाग में आवेदन कर इजराइल के पुनर्निर्माण में हाथ बंटाने की इच्छा जताई है। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद इन आवेदकों का प्रैक्टिकल व मेडिकल टेस्ट लिया जाएगा। जिसमें पास होने वालों को भारत सरकार एजेंसी के माध्यम से इजराइल भेजेगी। उत्तर प्रदेश राज्य से लगभग 10 हजार निर्माण श्रमिक इजराइल भेजे जाने को लेकर सरकार ने वैकेंसी निकाली है। 21 वर्ष से 45 वर्ष तक की आयु व 2 से 3 साल तक के अनुभव वाले निर्माण श्रमिक इसमें भेजे जाने हैं। 2 हजार सिरेमिक टाइल, 2 हजार प्लास्टरिंग, 3 हजार फ्रेम वर्कध्शटरिंग कारपेंटर एवं 3 हजार आयरन बेनि्ंडग पदों पर आवेदन के लिए अंतिम तारीख 31 दिसम्बर 2023 थी। लेकिन सरकार ने आवेदन करने की तिथि को 10 जनवरी 2024 तक बढ़ा दिया है। श्रमिकों को बेसिक अंग्रेजी की जानकारी, बोलना व समझना व निर्माण की ड्राइंग पढ़ना आना चाहिए। इसके अलावा पात्र अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन किए जाने पर संपूर्ण सूचना एनएसडीसी के माध्यम से पीआईबीए को उपलब्धा कराई जाएगी। पीआईबीए द्वारा अभ्यर्थी की समस्त सूचनाओं जैसे नाम, पता उम्र एवं संबंधित दस्तावेजों तथा पासपोर्ट की पुष्टि की जाएगी। सूचनाओं की पुष्टि के पश्चात अभ्यर्थी का प्रैक्टिकल टेस्ट, मेडिकल टेस्ट लिया जाएगा श्रम एवं सेवायोजन विभाग तथा एनएसडीसी के सहयोग से व्यावसायिक शिक्षा एवं प्राविधिक शिक्षा विभाग के संबंध में से टेसि्ंटग सेंटर का निर्माण होगा। जहां प्रतिदिन 500 व्यक्तियों के प्रशिक्षण का कार्य किया जाएगा। चयनित होने पर अभ्रिट्टी को फ्री डिपार्चर ट्रेनिंग भी दी जाएगी। वहां पर इन कामगारों को आवास की सुविधा के साथ ही एक लाख रूपये से अधिक सैलरी हर महीने दी जाएगी। सहायक श्रम आयुक्त मधुबन राम के मुताबिक इजराइल सरकार ने भारत सरकार से अनुभवी एवं कुशल निर्माण श्रमिकों की मांग की है। जिसके तहत इच्छुक लोगों से आवेदन मांगे गए थे। अब तक उम्मीद से ज्यादा आवेदन आए हैं। नौ जनवरी तक भवन निर्माण की विभिन्न श्रेणियों में कुल 380 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी है। लिहाजा अभी और आवेदन आने की संभावना है। अभ्यर्थियों का नाम, पता, उम्र, शैक्षिक योग्यता, पासपोर्ट आदि का ब्यौरा दर्ज कर भारत सरकार को भेजा जाएगा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग और नेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन इंटरनेशनल (एनएसडीसी) की ओर से 15 जनवरी को लखनऊ में अभ्यर्थियों का परीक्षण किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को प्री डिपार्चर ट्रेनिंग देने के बाद इजराइल भेजा जाएगा। भवन निर्माण की चार श्रेणियों के कामगारों से आवेदन मांगे गए हैं। इनमें सिरेमिक टाइल, प्लास्टरिंग, शटरिंग कारपेंटर (फ्रेमवर्क) व आयरन बेलि्ंडग शामिल हैं। पयागीपुर स्थित सहायक श्रम आयुक्त कार्यालय में अभी तक शटरिंग कारपेंटर श्रेणी में सबसे अधिक 173 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। जबकि सिरेमिक टाइल श्रेणी में 37, प्लास्टरिंग में 104 व आयरन बेलि्ंडग श्रेणी में 66 आवेदन किए गए हैं। चयनित श्रमिकों को भारत सरकार के अधीन एजेंसी एनएसडीसी व इजराइल सरकार की एजेंसी पीआईबीए की ओर से इजराइल में निवास व रोजगार का प्रबंध किया जाएगा। न्यूनतम एक साल और अधिकतम पांच साल के अनुबंध की बाध्यता होगी। सामाजिक सुरक्षा व प्रवासी भारतीय बीमा योजना 2017 के तहत चिकित्सा एवं जीवन बीमा की सुविधा के साथ श्रमिकों को 137260 रूपये हर महीने पगार मिलेगी।

डॉक्टर भारद्वाज ने मोस्ट ट्रस्टेड क्लीनिक अवार्ड प्राप्त कर झांसी का मान बढ़ाया - अरविंद वशिष्ठ

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झांसी आज ब्रह्म विभूति स्मृति न्यास द्वारा डॉ. विजय भारद्वाज का सम्मान किया गया उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सदस्य इंडो जर्मन टूल रूम – सूक्ष्म लघु एवं उद्यम मध्यम मंत्रालय अरविंद वशिष्ठ उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक पाण्डेय ने की!अरविंद वशिष्ठ ने कहा कि यह ब्रह्म समाज के लिए एवं झांसी के लिए गौरव की बात है कि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में इमिनेंट रिसर्च मुंबई द्वारा उत्तर प्रदेश में डॉक्टर विजय भारद्वाज को मोस्ट ट्रस्टेड डेंटल क्लिनिक अवार्ड

एवं सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया है यह अवार्ड दंत चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट प्रोसेस के लिए दिया गया है !भारद्वाज क्लिनिक में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा इलाज किया जाता है !डॉ विजय भारद्वाज ने बताया कि एमिनेंट रिसर्च मुंबई द्वारा विभिन्न परीक्षणों एवं मानकों पर खरा उतरने के बाद जजों की कमेटी के निर्णय से मोस्ट ट्रस्टेड क्लीनिक अवार्ड एवं सर्टिफिकेट दिया जाता है! इस बार यह अवार्ड भारद्वाज क्लीनिक मिला है!मैं हमेशा पूरी कोशिश करता हूँ ,और करता रहूँगा की उत्तर प्रदेश में अत्याधुनिक इलाज न्यूनतम दरों पर मरीज तक पहुँचा सकूँ!कार्यक्रम का संचालन विजय सिरौठिया ने किया उक्त अवसर पर राजेंद्र शर्मा एडवोकेट, गगन मिश्रा ,पंकज मिश्रा अभिषेक दिक्षित मनीष, सुशील, निखिल पाठक ,अनुराग तिवारी, अभिषेक उपाध्याय,शिवम नायक आदि उपस्थित रहे!

बढ़ते अपराधों पर अंकुश व महिलाओं की सुरक्षा की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने दिया ज्ञापन

झांसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर बुधवार को शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश में बढते हुये अपराध रोकने, महिलाओ की सुरक्षा सुनिश्चित किये जाने एवं वाराणसी की दुष्कर्म की घटना पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय द्वारा दिये गये

बयान पर उनके खिलाफ दर्ज किया गया मुकदमा वापिस लिये जाने की मांग को लेकर कांग्रेसियो ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा ।

ज्ञापन देने वालों में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, प्रदेश महासचिव राहुल रिछारिया, शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, इम्तियाज हुसैन, विवेक बाजपेई ,राजेन्द्र सिंह यादव, मुकेश अग्रवाल, नीता अग्रवाल,सरला भदौरिया, आशिया सिद्धिकी, अरविन्द बब्लू, अमीर चंद आर्य, छोटे राजा कमर,वीरेंद्र सिंह कुशवाहा, वैभव बट्टा, मजहर अली, शेखर नलवंशी, अशोक कन्सौरिया, सुरेन्द्र सिंह यादव,हरिओम श्रीवास, राजकुमार फौजी, अशोक कुमार कौशल, शफीक अहमद मुन्ना,प्रभुदयाल साहू,वीरेंद्र झां बंटी , रामसेवक ,रोवेश खान,प्रीति श्रीवास, सहीदा बेगम, राजेश रानी, हिना, फरीदा, सिद्धार्थ गौतम,अभिषेक कनौजिया,जीतू राजा,सचिन साहू , इमरान खान, जसवंत अनुरागी, दिनेश वर्मा, सोहेबआदि मौजूद रहें।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर भाजपा राष्ट्रीय महामंत्रियों ने की बैठक

-श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर की गयी चर्चा

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या मे प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पूर्व अयोध्या के सर्किट हाउस में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष, तरूण चुग, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन व भाजपा पदाधिकारियों के साथ बड़ी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्राण प्रतिष्ठा समारोह और उसके बाद आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर चर्चा की गई

बैठक के बाद राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुग ने कहा कि 450 साल से संघर्ष चल रहा है। देश की आजादी के बाद सात दशक और चार पीढ़ीयां अयोध्या में राम जी मंदिर न बने इसके लिए लगाई। अब अदालत से राम मंदिर का निर्णय आया है। शुभ दिन आया है सुखद दिन आया है। करोड़ो लोगों की भावनाओं को पूर्ण करने का दिन आया है। प्रधानमंत्री मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करने आ रहे है। इस समय राजनीति नही करनी चाहिए। अब दिल जोड़ कर प्रधानमंत्री के सांस्कृतिक उदय के इस महाउत्सव में शामिल होना चाहिए। यह बहुत बड़ा दिन है इस पर राजनीति न करें। जिन्होनें अयोध्या में अत्याचार किए है पाप किए है आज उनके पाप आज बोल रहे हैं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा करोड़ो लोगों के लिए दीपावली जैसा है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश भर लाखों राम भक्त अयोध्या में राम जी के दर्शन के लिए आएंगे। अयोध्या अब पूरे विश्व की टूरिज्म कैपिटल बन कर सामने आ रही है।स्वामी प्रसाद मौर्या के बयान पर उन्होनें कहा कि अयोध्या.की गलियां जिन्होनें लाल कर दिया था। सरयू को लाल कर दिया। वह दिन दुर्भाग्य पूर्ण था। घटना इतिहास में हमेशा काले अक्षरों में लिखी जाएगी। देश की जनता कभी इसे माफ नही कर करेगी। राम नाम जप कर रहे निहत्थे लोगों पर अयोध्या में जलियांवाला बाग बनाया गया था। यह घटना निंदनीय है तथा राक्षसवृत्ति को दर्शाती है।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बताया कि ठंड से बचाव के साधान दवाईओं की उपलब्ध को लेकर बैठक की गई। स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर अतिरिक्त चिकित्सकों व एम्बुलेंसों की तैनाती की गई। पैथ लैब की व्यवस्था की गई है। मेडिकल कालेज से लेकर निजी चिकित्सकों से सहयोग लिया गया है। अयोध्या पूरी तरह से रामभक्तों को दर्शन देने के लिए तैयार है। सुरक्षा को लेकर सारे मानक तय कर दिए गए है। सारे मानक चाक चौबंद है। प्रभु श्रीराम के मंदिर में हम सभी का स्वागत करते है। पूरे देश तथा विश्व के लिए यह प्रसन्नता का दिन है। आने वाले रामभक्तों को सुव्यवस्थित ढ़ग से दर्शन कराने की हमारी जिम्मेदारी है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व ने बैठक से पूर्व स्थलीय निरीक्षण किया है। कहां क्या समस्या आ सकती है क्या व्यवस्थाएं आपेक्षित है। इसको लेकर बैठक आयोजित की गई है। कई विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिया गया है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद लाखों लोगों के आने की सम्भावना है। उनको किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो यहां से अनुभव अच्छा लेकर जाएं। उनकी सारी सुविधाओं रहने खाने व पार्किंग सहित सारी सुविधाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की गई है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 20 हजार लोगों के लिए आवास विकास द्वारा अधिग्रहीत भूमि पर टेंट सिटी का निर्माण किया जाएगा।

प्रदेश में बढ़ रहे अपराध को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

-भाजपा कार्यालय की और कूच कर रहे कांग्रेसियों ने प्रशासन ने किया गिरफ्तार

अयोध्या। प्रदेश में बढ़ रहे अपराध एवं आमजन की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस पार्टी ने पुष्पराज चौराहे पर प्रदर्शन किया। पुष्पराज चौराहे पर बड़ी संख्या में एकत्रित कांग्रेसी सरकार विरोधी नारे लगाते हुए भाजपा कार्यालय की और कूच कर रहे थे तभी आगे प्रशासन ने बेरीकटिंग लगाकर कांग्रेसियों को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले गए। इससे पूर्व पुष्पराज चौराहे बिजली दफ्तर पर बड़ी संख्या में एकत्रित कांग्रेसियों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा उत्तर प्रदेश की सरकार में प्रदेश में अपराध का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। सरकार जाति और धर्म देखकर एनकाउंटर की कार्यवाही कर रही है। पूरा प्रदेश अपराध की आग में जल रहा है और अपराधी बेखौफ होकर घूम रहे हैं। महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कहा उत्तर प्रदेश सरकार अपनी पार्टी में मौजूद अपराधियों को संरक्षण दे रही है जिसका जीता जागता उदाहरण बनारस की घटना है। बनारस घटना में लिप्त अपराधियों को पहचान हो जाने के बावजूद 2 महीने तक सिर्फ इसलिए न गिरफ्तार करना कि वे सत्ताधारी दल के पदाधिकारी हैं ,बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण तथा संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा गोरखपुर के विनोद उपाध्याय को एनकाउंटर में मारा जाना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। विनोद उपाध्याय पर पिछले 7 साल में एक भी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो उसे किस तरह से ईनामी अपराधी बना दिया गया। यहां प्रश्न सरकार की मंशा पर सवाल करता है। जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा विनोद उपाध्याय का एनकाउंटर मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत कुंठा और राजनीतिक विद्वेष से प्रेरित है। यह घटना योगी सरकार के एक जाति विशेष विरोधी चेहरे को बेनकाब करती है। कांग्रेस पार्टी इस घटना के न्यायिक जांच की मांग करती है। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य अग्रसेन मिश्रा, महेश वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा, अनिल सिंह, अनिल तिवारी ,बृजेश रावत ,उमेश उपाध्याय, करन त्रिपाठी, पंकज सिंह,कविंद्र साहनी,जनार्दन मिश्रा, तारिक शरबती, मुगीश कुरैशी, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय तिवारी, दिनेश शुक्ला ,राहुल तिवारी ,विजय पांडे ,भीम शुक्ला, अशोक राय, चंद्रबली पांडे, पीयूष सिंह, चंद ,अरुण साहू, विजय शंकर यादव, मोहम्मद आरिफ फ्लावर नकवी,राजेंद्र रावत, राम अवध रावत ,दिनेश चौधरी, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रेनू राय ,अब्दुल हकीम , उषा कोरी ,चंचल सोनकर , शैलेंद्र मणी पांडे,दीप कृष्ण वर्मा ,रोहित यादव ,इंद्रोहण यादव आशुतोष, राजकुमार सिंह आदि सम्मिलित रहे।

गुरसराय में रोजगार मेला का शुभारंभ

झांसी! उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं सेवायोजन कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत आज दिनांक 10 जनवरी 2024 को श्याम वाटिका मऊ एरच रोड गुरसराय में रोजगार मेला का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री जयपाल सिंह चौहान अध्यक्ष नगर पालिका गुरसराय हुआ विशिष्ट अतिथि श्री प्रसिद्ध नारायण यादव जी श्री अवधेश सिंह श्री राम अध्यक्ष जी हरिशंकर यादव द्वारा मेले में उपस्थित युवाओं को संबोधित किया गया और सरकार द्वारा

संचालित उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत योजनाओं के विषय में बताया गया जिला समन्वय उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेते हुए रोजगार स्थापित करें इस रोजगार मेले में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना आईटीआई एवं डिप्लोमा होल्डर के साथ 462 अभ्यर्थियों द्वारा पंजीकरण कराया गया जिसके सापेक्ष 147 को विभिन्न अधिष्ठानों सॉफ्टवेयर एकेडमी, पुखराज हेल्थ केयर ,प्रथम एजुकेशन , आईसेक्ट, एल आई सी, एडुवेंटेज आदि द्वारा चयनित किया गया अध्यक्ष महोदय व सभी विशिष्ट अतिथियों एवं जिला समन्वयक श्री राजकुमार उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

लाइंस क्लब झांसी ग्रांउड द्वारा झांसी महिला जिला चिकित्सालय में गरीबों एवं मरीजों को कंबल किए वितरण।

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झांसी!! मानव की सेवा सबसे बड़ा धर्म है, मानव की आत्मा ही परमात्मा है और मानव मात्र की सेवा करने से ही सच्चे सुख की प्राप्ति होती है। इसी कथन को सार्थक करते हुए। लाइंस क्लब झांसी ग्रांउड के नेतृत्व में इस भीषण सर्दी से बचाव के लिए झांसी जिला चिकित्सालय में गरीब व बृद्ध महिलाओं असहाय मरीजों व उनके तीमारदारों को कम्बल वितरित किये, जिन्हें पाकर मरीजों के चेहरे खिल गए। व उन्होने इस नेक कार्य के लिए संस्था के कार्यों को खूब सराहना की। इस मौके पर एचपी वर्मा चार्टर्ड प्रेसिडेंट लाइंस क्लब झांसी ग्रांड, मुख्य अतिथि सीएमओ झांसी डॉ० सुधाकर पांडे, डॉ सुमन सीएमएस महिला सिविल हॉस्पिटल झांसी,वंदना वर्मा,राजेंद्र राय,संजय अग्रवाल,अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ अनु निगम, एम सी खराया,चंदन सिंह,रूप नारायण वर्माआदि उपस्थित रहे।

खादी आज हर व्यक्ति की पहचान बनी नितेश धवन

-अविवि में ग्रामीण उद्यमिता पर एक दिवसीय संगोष्ठी का अयोजन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में व्यवसाय प्रबन्ध एवं उद्यमिता विभाग एवं खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग भारत सरकार के संयुक्त संयोजन में ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु एक दिवसीय संगोष्ठी का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग के निदेशक नितेश धवन ने ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए खादी के उत्पादों को जनजन तक पहुॅचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खादी आज हर व्यक्ति की पहचान बन चुकी है। सभी इसे अपने आय के सामर्थ ले भी रहे है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में खादी के नवीन एवं आधुनिक उत्पाद लोगो की पहली पसन्द बन रहे है। विद्यार्थियों द्वारा नवीन उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है। इससे युवाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। साथ ही आधुनिकतम तकनीक से नये उत्पादों को सस्ते में उत्पादित भी किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि खादी पारंपरिक वेश भूषा से लेकर अनेक ऐसे उत्पादों का केन्द्र है। इससे उपभोक्ताओं के जीवन में अमूल चूल परिवर्तन ला सकते है। उन्होंने कहा कि कम कीमत में आधुनिकतम सेवा का सुनहरा अवसर केवल खादी के उत्पादों में है। जो इसकी रोचकता को और बढ़ा देती है। कार्यक्रम के मुख्या वक्ता प्रो0 अनिल कुमार सिंह कुलानुशासक का0सु0 साकेत महाविद्यालय अयोध्या ने बताया कि खादी एवं ग्रामीण उद्यमिता हमारे सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने में अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रो. शैलेन्द्र वर्मा ने बताया कि खादी एक विचार, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग है। प्रो. राणा रोहित सिंह ने बताया कि खादी को राष्ट्र की उन्नति एवं विकास का प्रमुख अंग है। विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामीण उद्यमिता के प्रति चल रहे विभिन्न आयोजनों से मिल रही आकर्षक सरकारी योजनाओं को जानना चाहिए। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के मध्य वाद विवाद प्रतियोगित हुई जिसमें रचित मिश्रा, अमृता सिंह, एवं आर्यन विजयी रहे। वहीं निबंध प्रतियोगिता में वत्सला, सुहानी, आंचल व कोमल वर्मा विजयी रही। इन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. महेन्द्र पाल सिंह, डॉ. आशीष पटेल, डॉ. श्रीष अस्थाना, डॉ. निमिष मिश्रा, डॉ. योगेश

रायकवार समाज जिला झांसी की चुनाव की प्रथम बैठक संपन्न

रिपोर्ट– राशिद पठान झाँसी! रायकवार समाज महासभा उ०प्र० जिला झीसी की चुनाव की प्रथम बैठक एस०सी०आई० कैम्मास सिविल लाईन में प्रातः 11 वजे मीरा रायकवार जी की अध्यक्षता एवं मुख्य चुनाव अधिकारी के मुख्य आतिथ्य में नामांकन हेतु उनके निवास स्थान पर सीताराम रायकवार मुख्य चुनाव अधिकारी के मुख्य आतिथ्य में हुई। जिसमें जिलाध्यक्ष के लिये 5 फार्म विकं

महामंत्री के 3 कोषाध्यक्ष के 2 विके कौशल कुमार रायकवार ने जिलाध्यक्ष पद के लिये प्रथम फार्म जमा किया इस अवसर पर सर्व ईजी० अशोक कुमार, माननीय मंगेश रायकवार कैलाश रायकवार, प्रताप रायकवार, डॉ० सुभाष रायकवार, गोविन्द सिंह मिनी, राजकुमार, मानिक लाल, अशोक रायकवार बैट्री वाले, रामरतन रायकवार सहित लगभग 40 लोग उपस्थित रहें। कार्यकम का सफल संचालन दोपहर 3रू30 तक श्री जे०पी० रायकवार व आभार सुरेश चन्द्र कश्यप पण्डित जी, भरत कश्यप ने संयुक्त रूप से आभार व्यक्त किया

संपादकीय

गोल्डन ग्लोबससे आस्कर के संकेत ?

वर्ष का यह वह समय है जब दुनिया भर में फिल्म पुरस्कारों की घोषणा होती है। सिनेमा दर्शक विजेताओं की सूची खंगालते होते है और नजर रेड कार्पेट पर रहती है। वर्ष का पहला आयोजन दृ गोल्डन ग्लोब्सदृ नए साल के पहले रविवार को हुआ और पिछली गर्मियों का श्बारबेनहाईमरश बुखार, पुरस्कारों के ताजा दौर में भी दिखा। कई अन्य शानदार फिल्मों जैसे श्किलर्स ऑफ द फ्लावर मून्य, श्माइस्ट्रोय, श्पुअर थिंग्स्य, श्एनाटामी ऑफ फॉल्य, श्मे दिसंबस्य, श्पास्ट लाईव्स्य के बावजूद श्बार्बीय एवं श्ओपेनहाईमस्य के पुरस्कार हासिल करने के कयास लगाए जा रहे थे।

पहले थोड़ी चर्चा गोल्डन ग्लोब्स की। अतीत में इन पुरस्कारों की जम कर निंदा और आलोचना हुई है। गोल्डन ग्लोब्स पुरस्कार देने वाली संस्था हालीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन (एचएफपीए) 2021 में तब विवादों में घिर गई थी जब उस पर भ्रष्टचार और विजेताओं के चुनाव के लिए मतदान करने वाले पैनल में विविधता की कमी के आरोप लगे थे। इसके नतीजे में 2022 का आयोजन अपेक्षाकृत बहुत छोटे स्तर का कर दिया गया ताकि चीजों को सुधारा जा सके। और इस वर्ष इस आयोजन ने तूफानी वापसी की। लॉस एंजेल्स के बेवरली हिल्टन में हुआ तीन घंटे का यह आयोजन, हालीवुड प्रेस एसोसिएशन के भंग होने और एक निजी इक्विटी फर्म व डिक क्लार्क प्रोडेक्शन्स द्वारा अवार्ड्स का संभालने का बाद का पहला आयोजन था। अब उसमें 76 देशों के 300 सदस्य हैं और वह सदस्यों की पृष्ठभूमि की दृष्टि से विविधतापूर्ण है।

सन् 2024 के नॉमिनेशन्स से यह जाहिर हुआ है कि नई और बड़ी चयन समिति मोटे तौर पर लीक पर ही चली हालाँकि कुछ चौंकाने वाला भीथा। जैसे पिछले साल सूची में एक भी महिला निर्देशक नहीं थी। लेकिन इस साल ऐसा नहीं है। ग्रेटा गर्विक (श्बार्बीश) और सलीन सोंग (श्पास्ट लाईव्स्य) सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार के लिए लाइन में थीं। एक और आश्चर्य था श्पास्ट लाइव्स, जो कि जटिल प्रेम त्रिकोण में फंसे एक कोरियाई प्रवासी की कहानी है का अन्य श्रेणियों में भी नामांकन। एक अन्य आश्चर्य था टेलर स्विफ्ट की फिल्म (श्टेलर स्विफ्टरू द एरास टूर्स्य) को नामांकित करने के लिए एक नयी श्रेणी, श्सिनेमेटिक एंड बॉक्स ऑफिस अचीवमेंट्य का निर्माण। इस श्रेणी में पुरस्कार अंततरू बार्बी को मिला।

बारबेनहाईमर 2023 की गर्मी से ही चर्चाओं के केन्द्र में है। महामारी के बाद रिलीज होने वाली ये पहली फिल्म थीं और इस बात का इम्तहान थीं कि क्या दर्शकों को दुबारा सिनेमाघरों की ओर आकर्षित किया जा सकेगा। और ये लेखकों की हड़ताल के पहले की आखिरी फिल्में थीं। जहाँ बार्बी दर्शकों को आनंदित करने वाली फिल्म थी, जो बाद में बाक्स आफिस पर हिट रही, वहीं श्ओपनहाईमस्य एक गंभीर फिल्म थी, जिसकी चर्चा मुख्यतरू उसके निर्देशक क्रिस्टोफर नोलान के कारण हुई। नोलान पारंपरिक कथानकों से बखूबी खेलते हैं और अवचेतन मन और सैद्धांतिक खगोल भौतिकी जैसे दुरूह विषयों पर फिल्मों का निर्देशन करते रहे हैं। ओपेनहाईमर समीक्षकों की पसंदीदा फिल्म बनी और बार्बी, इस प्रसिद्ध गुडिया के युवा प्रशंसकों और उनके अभिभावकों की।

लेकिन गोल्डन ग्लोब्स में सबसे बड़ी विजेता रही श्ओपेनहाईमस्य।उसने पांच पुरस्कार हासिल किए, जिनमें सर्वोत्तम कहानी, सर्वोत्तम अभिनेता (सिल्लियन मर्फी) सर्वोत्तम गीत (लुडविग गोरंस्सों) सर्वोत्तम सहायक अभिनेता (रोबर्ट डाउनी जूनियर) और सर्वोत्तम निर्देशक (क्रिस्टोफर नोलान) शामिल हैं। हालांकि ओपेनहाईमर का मुख्य मुकाबला मार्टिन स्कोर्सेसे की किलर्स ऑफ द फ्लावर मून से था, मगर उसे केवल एक पुरस्कार मिल सका दृ सर्वोत्तम अभिनेत्री के लिए लिली ग्लोडस्टोन को। ग्लोडस्टोन, जीतना तो दूर, नामांकित होने वाली पहली अमेरिका की मूलनिवासी कलाकार हैं। संभवतरू नई, पुनगर्ठित हालीवुड फारेन प्रेस एसोसिएशन के कारण अन्य देशों की फिल्मों को कई पुरस्कार हासिल हुए, जिनमें सबसे आश्चर्यजनक था फ्रेंच फिल्म एनाटामी ऑफ ए फाल के लिए जस्टिन ट्राईट और आर्थर हरारी को सर्वोत्तम स्क्रीनप्ले का पुरस्कार, जो उसे बार्बी, किलर्स ऑफ द फ्लावर मून और ओपेनहाईमर से मुकाबला करते हुए हासिल हुआ। साथ ही उसे सर्वोत्तम गैर–अंग्रेजी फिल्म का पुरस्कार भी मिला। जापानी निदेशक हेयो मियाजाकी की फिल्म श्द बॉय एंड द हेरोन्य को सर्वोत्तम एनीमेशन के लिए पुरस्कृत किया गया। टीवी सीरियलों के वर्ग में ज्यादातर पुरस्कार श्सक्सेशन्य ने हासिल किए। गर्मियों का श्बारबेनहाईमस्य माहौल, पुरस्कारों के इस पहले दौर में केवल ओपेनहाईमर के लिए बना रहा। लेकिन क्या गोल्डन ग्लोब्स, आगे आस्कर के संभावित विजेताओं के बारे में भी कोई संकेत देता है?

जरूरी हैं एहतियाती तैयारियां

गजा में इजराइली हमलों के कारण पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय युद्ध भड़कने का खतरा पैदा हो गया है। नतीजतन, वैश्विक सप्लाई चेन भंग होने लगा है। इससे फिर महंगाई का दौर आने की आशंकाएं गहराती जा रही हैं।

भारतीय नौसेना की तत्परता ने उस जहाज को समुद्री डाकुओं से अपहरण के कुछ घंटों के अंदर ही छुड़ा लिया, जिस पर कम–से–कम 15 भारतीय कर्मचारी सवार थे। एमवी लीला नॉरफोक नाम के इस जहाज पर लाइबेरिया का झंडा लगा हुआ था। चार जनवरी की शाम हथियारों से लैस पांच–छह अज्ञात लोग जहाज पर सवार हो गए थे। यह खबर मिलने के बाद भारत के लड़ाकू जहाज श्आईएनएस चेन्नईय को एमवी लीला की मदद के लिए भेजा गया। भारतीय नौसेना का एक विमान भी अपहृत जहाज के ऊपर से उड़ा। आखिरकार डाकू संभवतरू जहाज को छोड़कर भाग गए, क्योंकि जब जहाज की जांच–पड़ताल की गई, तो उस पर कोई अवांछित व्यक्ति नहीं मिला। यह घटना शायद नहीं होती, अगर इजराइल–फिलस्तीन युद्ध के कारण लाल सागर में तनाव पैदा नहीं हुआ होता। तब संभवतरू जहाज को रूट बदलकर उस तरफ जाने की जरूरत नहीं पड़ती, जहां यह घटना हुई। लाल लागर में यमन के हूती गुट के हमलों के कारण जहाजों की आवाजाही असुरक्षित हो गई है।हूती ने गजा में फिलिस्तीनीयों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लाल सागर में भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं। उसने कहा है कि इजराइल से संबंधित सभी जहाजों को निशाना बनाया जाएगा। उसके हमलों के बाद कई जहाजों को रास्ता बदलना पड़ा है। पिछले महीने भारत के तट से 370 किलोमीटर दूर श्एमवी केम प्लूटोय टैंकर पर एक ड्रोन से हमला हुआ था। उसके बाद से भारतीय नौसेना ने चौकसी बढ़ा दी है। उसका फायदा एमवी लीला को मिला। जैसे हालात हैं, उनके बीच अभी इस चौकसी को लंबे समय तक जारी रखने की जरूरत पड़ सकती है। गजा में इजराइली हमलों के कारण पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय युद्ध भड़क जाने का खतरा पैदा हो गया है। लेबनान, इराक, सीरिया इसकी जद में आ चुके हैं। अमेरिका संभवतरू ईरान को भी इस दायरे में खींच लेगा। उस हालत में वैश्विक सप्लाई चेन के भंग होने की गंभीर स्थिति पैदा हो जाएगी। इसीलिए पूरी दुनिया में एक बार फिर महंगाई का दौर आने की आशंकाएं जताई जा रही हैं। उन स्थितियों के लिए भी एहतियाती तैयारी की जरूरत है।

मुस्लिम बाहुल्य सीटें ही उत्तर प्रदेश में विपक्षी नेताओं की पहली पसंद क्यों बन रही हैं ?

आजमगढ़ लोकसभा सीट से एक बार फिर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनाव लड़ सकते हैं, यह खबर चर्चा में आते ही वहां सरगर्मी तेज हो गई है। बता दें पहले अखिलेश कन्नौज से चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में जुटे थे, लेकिन वहां अखिलेश का दिल नहीं कर रहा है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है। बीजेपी का यूपी में चुनाव दर चुनाव जीतना इसकी एक बड़ी बानगी है। बीते दस वर्षों से यूपी में बीजेपी कोई बड़ा चुनाव नहीं हारी है। इसी के चलते बीजेपी के टिकट के लिय मारामारी भी खूब हो रही है। यूपी में आम चुनाव लड़ने और आसानी से जीत जाने की संभावना सिर्फ बीजेपी में दिखाई दे रही है। अन्य दलों के उम्मीदवारों के लिए इसका उलट है। गैर बीजेपी दलों के अन्य नेताओं की बात छोड़ भी दी जाये तो पार्टी के दिग्गजों के लिये भी यहां से चुनाव लड़ना और जीतना आसान नहीं रह गया है। इसी के चलते कई नेताओं ने यूपी से किनारा कर लिया है, इनमें राहुल गांधी जैसे कांग्रेस के दिग्गज नेता भी शामिल हैं। राहुल गांधी अपने परिवार के परम्परागत अमेठी लोकसभा चुनाव को छोड़कर केरल की मुस्लिम बाहुल्य वॉयनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने चले गये। 2014 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी लोकसभा सीट से मोदी को चुनौती देने आये आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने भी वाराणसी में मिली करारी हार के पश्चात यूपी से मुंह मोड़ लिया है। बीजेपी की यूपी में इतनी तूती बोल रही है कि प्रियंका वाड्रा गांधी तक यहां से चुनाव लड़ने का साहस नहीं कर पा रही हैं जबकि कांग्रेसी प्रियंका गांधी वाड्रा को गांधी परिवार की सबसे सुरक्षित रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाने का लगातार शिगूफा छोड़ रहे हैं। कहा जा रहा है कि रायबरेली की मौजूदा सांसद सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहती हैं। रायबरेली गांधी परिवार का अजेय दुर्ग माना जाता है। 2024 के महासमर में उत्तर प्रदेश की इकलौती बची सीट को बचाए रखने के लिए कांग्रेस सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार है। पिछले चुनाव में अमेठी गंवाने के बाद पार्टी इस बार रायबरेली को लेकर पार्टी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। लगातार पांच बार से चुनाव जीत रहीं सोनिया गांधी इस बार स्वास्थ्य कारणों से ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। वहीं, भाजपा अमेठी जीतने के बाद अब रायबरेली में भी कमल खिलाने की तैयारी में है। प्रियंका के लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना के बारे में सांसद प्रतिनिधि किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। हां, इसमें संदेह नहीं कि रायबरेली से गांधी परिवार का ही सदस्य चुनाव लड़ेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि पूरी संभावना है कि इस बार प्रियंका गांधी वाड्रा ही रायबरेली से लड़ेंगी। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस संगठन में फेरबदल रायबरेली को लेकर भी बड़ा संकेत दे रहा है। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में कांग्रेस की गठबंधन रणनीति भले ही अभी साफ न हो मगर पार्टी महासचिव और पूर्व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा का रायबरेली से चुनाव लड़ना लगभग तय माना जा रहा है, लेकिन मोदी मैजिक में रायबरेली भी अब कांग्रेस के लिये सुरक्षित नहीं रह गई है। जो हाल कांग्रेस के दिग्गजों का है वही हाल कमोवेश समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का भी है। वह भी अपने लिये मुस्लिम बाहुल्य सीट तलाश रहे हैं, ताकि जीत की राह में कोई बाधा नहीं आये। इसके लिये सपा प्रमुख अखिलेश यादव को आजमगढ़ लोकसभा सीट काफी मुफीद लग रही है। हालांकि लोकसभा चुनाव के लिए इंडी गठबंधन के सहयोगी दलों में अभी सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है, किंतु समाजवादी पार्टी ने अखिलेश के साथ–साथ करीब डेढ़ दर्जन सीटों पर अपने संभावित उम्मीदवार लगभग तय कर लिए हैं। आजमगढ़ लोकसभा सीट से एक बार फिर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनाव लड़ सकते हैं, यह खबर चर्चा में आते ही वहां सरगर्मी तेज हो गई है। बता दें पहले अखिलेश कन्नौज से चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में जुटे थे, लेकिन वहां अखिलेश का दिल नहीं कर रहा है। इसी के चलते वह अब मुस्लिम व यादव बाहुल्य आजमगढ़ सीट से चुनाव लड़ने काम मन बना रहे हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी वे यहीं से सांसद चुने गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देकर विधान सभा चुनाव लड़ा और जीतने के बाद अब अखिलेश विधान सभा के सदस्य और नेता प्रतिपक्ष हैं। आजमगढ़ लोकसभा सीट हमेशा सपा के लिए पहले से मजबूत रही है। यहां पर वर्ष 2014 व 2019 के चुनाव में मोदी लहर के बावजूद सपा को जीत हासिल हुई थी। वर्ष 2014 में मुलायम सिंह यादव व 2019 में अखिलेश यादव चुनाव जीते थे। अखिलेश के इस्तीफे के बाद हुए उप–चुनाव में बीजेपी यहां से चुनाव जीती थी और समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहा था जबकि बसपा प्रत्याशी दूसरे नंबर पर आये थे। 2022 का विधानसभा चुनाव करहल से जीतने के बाद अखिलेश ने आजमगढ़ लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद रिक्त सीट पर हुए उपचुनाव में अखिलेश ने अपने चचेरे भाई धर्मेन्द्र यादव को मैदान में उतारा था, परंतु उन्हें तीसरे नंबर पर संतोष करना पड़ा था। बीजेपी ने यहां पर दिनेश लाल यादव निरहुआ को टिकट दिया था। तीसरे प्रत्याशी बसपा के गुड्डू जमाली मैदान में थे। त्रिकोणीय लड़ाई में मुस्लिम मतों में बिखराव हुआ और यही सपा की हार का कारण बन गया। राजनीति के जानकारों के अनुसार अखिलेश अपने मूल मतदाता यादव–मुस्लिम में बिखराव को बचाने के लिए यहां से चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। कन्नौज से भी अखिलेश चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, किंतु आजमगढ़ के राजनीतिक समीकरण उन्हें कहीं अधिक सुरक्षित लग रहे हैं। यहां के सभी पांचों विधायक सपा के हैं। कन्नौज से पिछला लोकसभा चुनाव अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव हार चुकी हैं। इसके साथ ही सपा अब तक करीब डेढ़ दर्जन संभावित उम्मीदवारों के नाम लगभग तय कर चुकी है। मैनपुरी से एक बार फिर डिंपल यादव अपने ससुर मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक विरासत संभालेंगी तो घोसी से सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव राय चुनाव लड़ सकते हैं। इसी तरह फतेहपुर से प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, फर्रूखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य, बदायूं से धर्मेन्द्र यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव, अंबेडकरनगर से लालजी वर्मा, फैजाबाद से अवध ेश प्रसाद, कौशांबी से इंद्रजीत सरोज, उन्नाव से अनु टंडन के नाम पर सहमति बन गई है। इसी प्रकार मुरादाबाद से मौजूदा सांसद एसटी हसन, बस्ती से राम प्रताप चौधरी, गोरखपुर से काजल निषाद, गाजीपुर से अफजाल अंसारी और सलेमपुर से रमाशंकर विद्यार्थी का टिकट लगभग पक्का है। दरअसल, समाजवादी पार्टी पूर्वांचल में बीजेपी की कमजोर नस दबाना चाहती है। इसकी वजह साफ है। भारतीय जनता पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में देश भर में भारी जीत हासिल की थी। इसके बाद भी पूर्वांचल के वाराणसी, मिर्जापुर व आजमगढ़ मंडल की एक दर्जन सीटों में पार्टी का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। भाजपा आजमगढ़, लालगंज, गाजीपुर, जौनपुर सीट हार गई थी, वहीं साथ ही कई सीटें मामूली अंतर से जीती थी। इसके बाद कुछ सीटों के समीकरण विधानसभा चुनाव 2022 के बाद बदल गए हैं।

राहुल का ही चेहरा है भाजपा के आगे

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 14 जनवरी से श्भारत न्याय यात्राय पर निकलने वाले हैं। यह उनकी श्भारत जोड़ो यात्राय की दूसरी कड़ी है, जिसमें वे थोड़ी दूर पैदल चलेंगे और लंबी दूरी बस से तय करेंगे। हाइब्रीड मोड में होने वाली यह यात्रा मणिपुर से शुरू होगी और मुंबई में संपन्न होगी। मार्च के मध्य में जब उनकी यात्रा का समापन होगा तब तक लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी होगी। जब इस यात्रा की घोषणा हुई तब ऐसा लगा था कि भाजपा इसे लेकर राहुल को निशाना बनाएगी। सोशल मीडिया में उनका मजाक उड़ाया जाएगा। इसे लेकर सवाल उठेगा कि जिस समय पूरे देश में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हो रही होगी उस समय राहुल एक नई यात्रा पर निकलेंगे। राहुल की यात्रा को अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम से ध्यान भटकाने साजिश करार दिया जाएगा। लेकिन आश्चर्यजनक तरीके से भाजपा इस मसले पर चुप रही है। छोटे–छोटे नेताओं या प्रवक्ताओं ने इस पर बयान दिया लेकिन बड़े नेता चुप रहे है और आईटी सेल ने भी इसका मुद्दा नहीं बनाया। इसका मतलब है कि भाजपा अभी राममंदिर के आयोजन से ध्यान नहीं भटकाना चाहती है। उसे पता है कि अगर वह राहुल की यात्रा को लेकर हमला करेगी और इस मसले पर कांग्रेस से उलझेगी तो फोकस राममंदिर से राहुल की यात्रा पर शिफ्ट हो जाएगा। अभी भाजपा को सारे संसाधन और सारी ताकत अयोध्या के कार्यक्रम पर लगानी है। पहले 16 से 22 जनवरी तक प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा और उसके बाद 25 जनवरी से देश भर में अयोध्या चलो का अभियान छेड़ा जाएगा। भाजपा देश भर के रामभक्तों को अयोध्या ले जाने का अभियान चलाएगी। इसके बीच राहुल की यात्रा की मीडिया कवरेज के लिए कांग्रेस को बहुत प्रयास करना होगा। अगर भाजपा यात्रा पर हमला करती है तो मजबूरी में मीडिया को उसे स्पेस देना होगा और फिर राहुल की यात्रा अपने आप खबरों में आएगी। इस तरह से कह सकते हैं कि राहुल ने चुनावी साल में और भाजपा के सबसे बड़े आयोजन से ऐन पहले यात्रा का ऐलान करके भाजपा को कैच–22 सिचुएशन में डाल दिया है।

ध्यान रहे भाजपा के नेता सचमुच यह मानते रहे हैं कि राहुल गांध ी जब तक कांग्रेस के सर्वोच्च नेता रहेंगे और विपक्ष के सबसे मुख्य चेहरे के तौर पर चुनाव लड़ते रहेंगे तब तक भाजपा के लिए चुनावी लड़ाई बहुत आसान रहेगी। अनेक पत्रकार और स्वतंत्र राजनीतिक विश्लेषक भी यह मानते हैं और तंज करते हुए लिखते–बोलते रहे हैं कि भाजपा के स्टार प्रचारक राहुल गांधी हैं। यह दावा किया जाता है कि वे जहां भी प्रचार करने जाते हैं वहां भाजपा जीतती है और उनकी बातों से भाजपा को फायदा होता है। मीडिया और सोशल मीडिया में प्रचार के जरिए इस धारणा को बहुत मजबूती से स्थापित किया गया है। इसके लिए राहुल के फर्जी वीडियो और गढ़े गए बयानों आदि का इस्तेमाल किया गया। भाजपा ने राहुल को श्पप्पूय साबित करने पर अधिकतम समय, श्रम और साधन खर्च किया। भाजपा को निश्चित रूप से इसका फायदा मिला लेकिन जिस तरह से हर दवा की एक्सपायरी डेट होती है वैसे ही हर प्रचार या रणनीति की भी एक्सपायरी डेट होती है। ऐसा लग रहा है कि भाजपा को अब लगने लगा है कि राहुल के लिए जो रणनीति अपनाई गई थी उसका अधि ाकतम फायदा लिया जा चुका और अब उस रणनीति से राहुल से मुकाबला आसान नहीं होगा। तभी अब राहुल के खिलाफ भाजपा के राजनीतिक अभियान की दिशा बदल रही है।

एक समय था, जब राहुल से लडना बहुत आसान था क्योंकि ज्यादातर युवा और देश की बड़ी आबादी उनको गंभीरता से नहीं लेती थी। लेकिन धीरे धीरे स्थितियां बदलती गईं और भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल को गंभीरता से लिया जाने लगा। तभी पिछले एक साल में कई बार भाजपा नेताओं के ऐसे बयान सुनने को मिले कि राहुल गांधी अगर प्रधानमंत्री बन गए तो देश में क्या हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई जगह अपने भाषणों में कहा कि अगर राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन गए तो तो देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला होगा। सोचें, जब राहुल गांधी के रहने से भाजपा को फायदा होता है, वे भाजपा के स्टार प्रचारक हैं, जहां भाषण देते हैं वहां भाजपा की जीत सुनिश्चित करते है तो उनके होते कांग्रेस कैसे सकती है और वे कैसे प्रधानमंत्री बन सकते हैं? भाजपा के नेता अगर राहुल के प्रधानमंत्री बनने का भय जनता को दिखा रहे हैं तो इसका मतलब है कि कहीं न कहीं भाजपा नेताओं के मन में राहुल को लेकर चिंता पैदा हो रही है। उनको लग रहा है कि राहुल चुनौती बन रहे हैं। भाजपा ने उनको गंभीर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी मान लिया है। यही कारण है कि राहुल पर अब गंभीर राजनीतिक हमले हो रहे हैं। संसद के शीतकालीन सत्र में भाजपा ने जिस तरह से राहुल गांधी को निशाना बनाया वह इस बात का संकेत है कि राहुल अब गंभीर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं। उनके बारे में पहले यह प्रचारित किया गया कि तीन राज्यों में कांग्रेस की हार के बाद राहुल विदेश दौरे पर चले गए। हालांकि यह बात गलत साबित हुई। उसके बाद भाजपा ने संसद में पैदा हुए गतिरोध का ठीकरा राहुल के ऊपर फोड़ा। जबकि हकीकत यह है कि संसद की सुरक्षा में सेंध लगी थी। चार लोग संसद परिसर में घुस गए थे, जिनमें से दो लोग दर्शक दीर्घा से लोकसभा के अंदर कूद गए और सदन में धुआं फैला दिया। विपक्ष तो इस मसले पर सिर्फ केंद्रीय गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहा था, लेकिन गृह मंत्री को सदन में बयान नहीं देना था। इस वजह से गतिरोध ा पैदा हुआ और 146 सांसद निलंबित किए गए। तब भाजपा और केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि संसद में राहुल के इशारे पर हंगामा हुआ है और गतिरोध पैदा हुआ है।

सोचें, भाजपा कह रही है कि राहुल के इशारे पर समूचा विपक्ष एकजुट हुआ और संसद नहीं चलने दी! संसद में घुसपैठ के मसले पर राहुल ने कहा कि संसद की घटना देश में फैली बेरोजगारी और महंगाई के कारण हुई है। इस पर भाजपा ने कहा कि राहुल संसद में हुई घटना का समर्थन कर रहे हैं। इसके बाद संसद परिसर में तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल उतारी तो उसकी बजाय भाजपा ने इस बात का मुद्दा बनाया कि राहुल गांधी उनकी मिमिक्री की वीडियो बना रहे थे। इसे लेकर भाजपा ने देश भर में राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया और कल्याण बनर्जी की बजाय राहुल गांधी का पुतला जलाया।

जाहिर है कि एक गंभीर राजनीतिक मामले में भाजपा के निशाने पर विपक्ष के दूसरे नेता नहीं थे, बल्कि राहुल गांधी थे। यह राहुल गांधी की बढ़ती हैसियत का संकेत है। अब वे भारत न्याय यात्रा पर निकलने वाले हैं। पूरब से पश्चिम की उनकी यह यात्रा उनकी छवि को सकारात्मक तरीके से

बेरोजगारी का यह आलम

ऊंची योग्यता वाले युवाओं का ऐसे पद पर नौकरी करना– जिसके लिए वे जरूरत से ज्यादा योग्य हैं– स्पष्टतरू देश में बेरोजगारी की भीषण हालत का संकेत है। वैसे आंकड़े भी देश में बेरोजगारी की ऊंची दर की पुष्टि करते हैं।मीडिया की सुर्खियों ने आबादी के बड़े हिस्से को सुखबोध से ओत–प्रोत कर रखा है। ऐसा सोचने वाले लोगों की कमी नहीं है कि जल्द ही भारत आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। बल्कि कहा तो यह भी जाता है कि ऐसा हो भी चुका है। मगर यह हवाई नैरेटिव है, जो जमीनी सूरत से ध्यान हटाते हुए गढ़ा गया है। जमीनी सूरत क्या है, इसकी खबरें भी अक्सर आती हैं, लेकिन वे अखबारों में कहीं अंदर के पन्नों पर दब जाती हैं। मसलन, इस ताजा खबर पर गौर कीजिएरू दिल्ली के चिडियाघर में 100 लोगों को नौकरी पर रखा गया है। उनमें लगभग सभी के पास ऊंची डिग्रियां हैं। ये अंग्रेजी, गणित, अर्थशास्त्र, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, मेटलर्जी आदि जैसे विषयों में ग्रैजुएट, पोस्ट–ग्रैजुएट और इंजीनियरिंग जैसी डिग्रियां हासिल कर चुके नौजवान हैं। उन्हें जू–कीपर की नौकरी मिली है।

क्या आप हनुमान जी की तरह समझदारी भरा संवाद करते हैं?

मॉडर्न टेक्नीक्स वाला वो अगली पीढ़ी का एयरक्राफ्ट था। यात्री समय पर बैठ गए थे और विमान भारत उड़ने के लिए तैयार था। मैं दरवाजे के बगल वाली पहली कतार में बैठा था। मैंने देखा कि एयरलाइन का ग्राउंड स्टाफ केबिन क्रू से कुछ पूछते हुए दरवाजे की तरफ दौड़कर आ रहा था।

केबिन क्रू, स्टाफ को मेरी कतार की तरफ लाए और मेरे बगल में सूट–बूट में बैठे 69 वर्षीय यात्री की तरफ इशारा किया। ग्राउंड स्टाफ ने तुरंत पूछा, क्या आप मिस्टर गुप्ता हैं (परिवर्तित नाम)। उन्होंने कहा, हां और स्टाफ ने पूछा कि आपके कितने चौक–इन बैग हैं? जवाब मिला, दो। हड़बड़ी दिखा रहे स्टाफ ने पूछा कि क्या आप बोर्डिंग पास दिखा सकते हैं।

उन्होंने दिखा दिया। पर स्टाफ अभी भी असमंजस में था, वो हड़बड़ाते हुए कुछ और पूछने ही वाले थे कि वॉकी–टॉकी पर वापस आने का संदेश मिला। ग्राउंड स्टाफ बिना एक शब्द कहे चला गया। पर मिस्टर गुप्ता चिढ़ गए, उन्हें बेइज्जती महसूस हुई क्योंकि 300 यात्रियों में सिर्फ उन्हीं से पूछताछ हुई।

बिना माफी मांगे चले जाने से नाराज उन्होंने जोर से कहा कि क्या मैं आतंकी लगता हूं, जो मेरी जानकारी देखनी पड़ी? ग्राउंड स्टाफ मुड़ता, उससे पहले क्रू आया और कहा कि सर, प्लीज, इस शब्द का जिक्र भी ना करें। आपको विमान से उतारा जा सकता है और एयरपोर्ट पुलिस के हवाले किया जा सकता है।

यात्री ने तुरंत माफी मांग ली लेकिन तार्किक सवाल पूछा कि उनकी जांच क्यों की गई। क्रू ने माफी भरे लहजे में कहा कि सर, बिल्कुल आपके ही नाम वाला और उसी सीट नंबर के साथ एक अन्य व्यक्ति यूरोप जा रहा है और उसका बैगेज इस विमान में आ गया है। वह आपके बैगेज नंबर और टैग का मिलान करना चाहता था ताकि दोनों मिक्स ना हो जाएं।

पैसेंजर शांत हुए और कहा, पर मुझे बताएं कि क्या ये बात करने का तरीका है? क्या वो लोग भी यही जानकारी देकर अपनी बात नहीं रख सकते थे? किसी भी पेशे में कम्युनिकेशन सही नहीं होगा तो यह भारी उलझनें पैदा कर देगा। क्रू उनकी बात से सहमत दिखा, माफी मांगी, दरवाजे बंद किए और एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी।

ये देखकर मुझे हनुमान जी की याद आ गई। वह लंका से लौट रहे थे और उनके पास अपने आराध्य श्रीराम को देने के लिए सबसे महत्वपूर्ण संदेश था। हवा में उड़ते हुए वह अभ्यास करते आ रहे थे कि श्रीराम के सामने पहला शब्द कैसे बोलना है। कंब रामायण में इसका जिक्र है कि हनुमान जी ने मानसिक रूप से उन शब्दों का बार–बार अभ्यास किया और उन शब्दों को राम के दृष्टिकोण से समझने की कोशिश की कि वह उसे कैसे लेंगे।

तमिल रामायण कंबन के रचयिता कंबन कहते हैं कि पहली पंक्ति का अभ्यास करते हुए उन्होंने बोला, "सीता मां' फिर अभ्यास किया, "मैंने सीता मां का देखा'। पर उन्हें लगा कि अगर मैं मां सीता का नाम पहले लूंगा तो हो सकता है कि शुरुआती चंद सेकंड श्रीराम को ये ख्याल ना आए कि "उन्हें कुछ हो गया है'? इसलिए उन्होंने तय किया कि वह उन पंक्तियों का प्रयोग नहीं करेंगे और फिर उन्हें दो शब्दों की एक संतोषजनक पंक्ति मिली और वो ये थी कि 'कंडेन सीताई।' यह तमिल भाषा है, इसका अर्थ है 'देखा सीता जी को'। पहला शब्द 'देखा' होने की वजह से राम के मन में दूसरा कोई भी ख्याल आने से हनुमान जी ने रोक लिया। शब्दों को ग्रहण करने वाले के दिमाग का ख्याल रखते हुए अगर आप उस हिसाब से शब्द बदलकर, लहजा रखेंगे तो आप सौ फीसदी हनुमान जी के शिष्य हैं।

अफगानिस्तान में मिनी वैन में विस्फोट, इस्लामिक स्टेट एक हफ्ते में दूसरे हमले की ली जिम्मेदारी

आतंकवादी समूह ने अपने टेलीग्राम चौनल पर एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली। बयान में कहा गया है कि इसने काबुल में अफगानिस्तान की प्राथमिक जेल, पुल–ए–चरकी जेल के स्टाफ सदस्यों के वाहन पर एक विस्फोटक उपकरण विस्फोट किया, जिसके परिणामस्वरूप 10 लोग मारे गए और घायल हो गए। इस्लामिक स्टेट ने पूर्वी काबुल में एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट की जिम्मेदारी ली है, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। यह एक सप्ताह के भीतर अफगानिस्तान में आतंकवादी समूह द्वारा किया गया दूसरा घातक हमला है। आतंकवादी समूह ने अपने टेलीग्राम चौनल पर एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली। बयान में कहा गया है कि इसने काबुल में अफगानिस्तान की प्राथमिक जेल, पुल–ए–चरकी जेल के स्टाफ सदस्यों के वाहन पर एक विस्फोटक उपकरण विस्फोट किया, जिसके परिणामस्वरूप 10 लोग मारे गए और घायल हो गए। हालांकि, पुलिस प्रवक्ता खालिद जादरान ने एपी से बात करते हुए एक बम विस्फोट की पुष्टि की, जिसमें तीन नागरिकों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट शहर के पूर्वी क्षेत्र, विशेष रूप से आलोकहेल क्षेत्र में हुआ। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों ने हमले के सिलसिले में एक संदिग्ध को पकड़ा है। यह हमला दश्त–ए–बारची इलाके में एक बस में विस्फोट की जिम्मेदारी के समूह के दावे के बाद हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम पांच मौतें हुईं। विशेष रूप से, इस्लामिक स्टेट के क्षेत्रीय अध्याय ने हाल के महीनों में समुदाय के खिलाफ कई हमलों के साथ लगातार शियाओं को निशाना बनाया है, जिन्हें वे विधर्मी मानते हैं। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता संभालने के बाद अफगानिस्तान में बम विस्फोटों और आत्मघाती हमलों में गिरावट के बावजूद, इस्लामिक स्टेट सहित विभिन्न सशस्त्र समूह क्षेत्र में सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। पिछले तीन दिनों में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस पर तीन अलग–अलग हमलों में 12 अधिकारियों की मौत हो गई है।

अमेरिकी सेना की शीघ्र वापसी चाहता है इराक, रिपोर्ट में किया गया दावा

ज्यादातर शिया मुस्लिम गुटों, जिनमें से कई ईरान के करीबी हैं, द्वारा अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन को छोड़ने की लंबे समय से चली आ रही अपील ने ईरान से जुड़े आतंकवादी समूहों पर अमेरिकी हमलों की एक श्रृंखला के बाद जोर पकड़ लिया है, जो इराक के औपचारिक सुरक्षा बलों का भी हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल–सुदानी ने गाजा युद्ध से क्षेत्रीय प्रभाव के बीच उनकी उपस्थिति को अस्थिर करने वाला बताते हुए कहा कि इराक अपनी धरती से अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य बलों की त्वरित और व्यवस्थित बातचीत चाहता है, लेकिन उसने कोई समय सीमा तय नहीं की है। ज्यादातर शिया मुस्लिम गुटों, जिनमें से कई ईरान के करीबी हैं, द्वारा अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन को छोड़ने की लंबे समय से चली आ रही अपील ने ईरान से जुड़े आतंकवादी समूहों पर अमेरिकी हमलों की एक श्रृंखला के बाद जोर पकड़ लिया है, जो इराक के औपचारिक सुरक्षा बलों का भी हिस्सा हैं। ये हमले, जो इजराइल द्वारा गाजा अभियान शुरू करने के बाद से अमेरिकी बलों पर दर्जनों ड्रोन और मिसाइल हमलों के जवाब में हुए थे, ने यह आशंका पैदा कर दी है कि इराक एक बार फिर क्षेत्रीय संघर्ष का अखाड़ा बन सकता है। सुदानी ने मंगलवार को बगदाद में एक साक्षात्कार में रॉयटर्स को बताया, ष्इस रिश्ते को पुनर्गठित करने की आवश्यकता है ताकि यह इराक और क्षेत्र में स्थिरता के साथ छेड़छाड़ करने के लिए आंतरिक या विदेशी किसी भी पार्टी का लक्ष्य या औचित्य न हो। इराक द्वारा इसे बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने की 5 जनवरी की घोषणा के बाद से गठबंधन के भविष्य के बारे में अपनी सोच का पहला विवरण देते हुए, सूडानी ने कहा कि बाहर निकलने पर ष्समझदारी और बातचीत की प्रक्रियाष के तहत बातचीत की जानी चाहिए।

राष्ट्रपति चुनाव से कुछ दिन पहले नजर आया चीन का सैटेलाइट, ताइवान में आया राजनीतिक तूफान

रक्षा मंत्रालय ने बाद में अंग्रेजी में गलत अनुवाद के लिए माफी मांगी जिसमें मिसाइल शब्द का इस्तेमाल किया गया था। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या वह उपग्रह प्रक्षेपण को चुनाव में हस्तक्षेप मानता है, कहा कि उसे नहीं लगता कि इसका कोई राजनीतिक मकसद था। राष्ट्रपति चुनाव से कुछ ही दिन पहले ताइवान के ऊपर से उड़ान भरने वाले एक चीनी उपग्रह के प्रक्षेपण से बुधवार को चीन के इरादों को लेकर एक गलत हवाई हमले की चेतावनी के कारण द्वीप पर राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि उसने चीनी उपग्रह के प्रक्षेपण पर विचार नहीं किया, जिसका रॉकेट दक्षिणी ताइवान के ऊपर से गुजरा, यह चुनाव से पहले हस्तक्षेप का प्रयास था, लेकिन मुख्य विपक्षी दल ने सवाल उठाया कि अलर्ट क्यों जारी किया गया था। विज्ञान उपग्रह ले जाने वाले एक चीनी रॉकेट के 500 किमी से अधिक की ऊंचाई पर दक्षिणी ताइवान के ऊपर उड़ान भरने के बाद सरकार ने एक गलत हवाई हमले की चेतावनी जारी की। रक्षा मंत्रालय ने बाद में अंग्रेजी में गलत अनुवाद के लिए माफी मांगी जिसमें मिसाइल शब्द का इस्तेमाल किया गया था। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या वह उपग्रह प्रक्षेपण को चुनाव में हस्तक्षेप मानता है, कहा कि उसे नहीं लगता कि इसका कोई राजनीतिक मकसद था। राष्ट्रीय सुरक्षा टीम द्वारा समग्र प्रासंगिक जानकारी का विश्लेषण करने और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों की जानकारी के मूल्यांकन को ध्यान में रखने के बाद, राजनीतिक प्रयासों से इनकार किया जा सकता है। रॉकेट लॉन्च ने एक गलत हवाई हमले का अलार्म बजा दिया, ताइवान, जिसे चीन ताइपे में सरकार की कड़ी आपत्तियों पर अपना क्षेत्र मानता है, ने बार–बार बीजिंग पर वोट में हस्तक्षेप करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है, चाहे वह सैन्य, राजनीतिक, आर्थिक या अन्य माध्यम से हो। मतलब। चीन ने उन आरोपों को गंदी चाल करार दिया है।

चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय ने बुधवार को रॉयटर्स को एक लिखित जवाब में कहा कि उपग्रह प्रक्षेपण एक नियमित वार्षिक व्यवस्था थी और इसका ताइवान चुनाव से कोई लेना–देना नहीं है।

देशद्रोह मामले में पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की मौत की सजा बरकरार

17 दिसंबर, 2019 को एक विशेष अदालत ने दिवंगत सैन्य जनरल पर राज्य थोपने के उनके असंवैधानिक फैसले के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) द्वारा उनके खिलाफ उच्च राजद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के बाद मौत की सजा सुनाई। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति जनरल (सेवानिवृत्त) परवेज मुशर्रफ की उच्च राजद्रोह मामले में 2019 में दी गई मौत की सजा को बरकरार रखा। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ जिसमें न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह, न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान और न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह शामिल थे। उन्होंने कहा कि लाहौर उच्च न्यायालय के 13 जनवरी, 2020 के आदेश ने मुशर्रफ की मौत की सजा को रद्द कर दिया था। अनुपालन न करने पर अप्रभावी हो गया। उच्च न्यायालय ने 2019 में एक विशेष अदालत द्वारा दी गई मुशर्रफ की मौत की सजा को असंवैधानिक करार दिया था। 17 दिसंबर, 2019 को एक विशेष अदालत ने दिवंगत सैन्य जनरल पर राज्य थोपने के उनके असंवैधानिक फैसले के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) द्वारा उनके खिलाफ उच्च राजद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के बाद मौत की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि मुशर्रफ के परिवार को कई नोटिस भेजे जाने के बाद भी उन्होंने मामले की पैरवी नहीं की। मुशर्रफ के वकील सलमान सफदर ने कहा कि अदालत द्वारा अपील पर सुनवाई करने का फैसला करने के बाद उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति के परिवार से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। 11 अगस्त, 1943 को दिल्ली में जन्मे मुशर्रफ और उनका परिवार 1947 में विभाजन के बाद नवगठित राज्य पाकिस्तान में स्थानांतरित हो गए। वर्षों तक रैंकों में चढ़ने के बाद, उन्हें तत्कालीन प्रधान मंत्री द्वारा चार सितारा जनरल के रूप में पदोन्नत किया गया था। 1999 में कारगिल युद्ध में भारत से हार के बाद मुशर्रफ और शरीफ के बीच सत्ता संघर्ष हुआ। इसके बाद, मुशर्रफ ने एक सैन्य तख्तापलट में पाकिस्तान पर कब्जा कर लिया और 2001 में राष्ट्रपति बने।

मालदीव के सत्तारूढ़ गठबंधन ने 2023 चुनावों के दौरान भारत विरोधी भावनाओं को किया उजागर, रिपोर्ट में दावा

यूरोपीय संघ मिशन ने नोट किया कि राजनीतिक और अभियान धन उगाहने और वित्तीय व्यय में पारदर्शिता और प्रभावी निरीक्षण का अभाव है। ईयू ईओएम ने सार्वजनिक सेवा मीडिया सहित मीडिया की राजनीतिक पक्षपात को भी दर्ज किया। यूरोपीय संघ द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के सत्तारूढ़ गठबंधन ने 2023 के राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भारत विरोधी भावनाओं को उजागर किया और इस विषय पर गलत सूचना फैलाने का प्रयास किया। मालदीव में यूरोपीय चुनाव अवलोकन मिशन (ईयू ईओएम) ने पिछले साल 9 और 30 सितंबर को हुए दो दौर के चुनाव पर मंगलवार को अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की। राष्ट्रीय अधिकारियों के निमंत्रण पर हिंद महासागर में द्वीपसमूह राष्ट्र में 11 सप्ताह के लंबे अवलोकन के बाद, यूरोपीय संघ ईओएम ने पाया कि पीपीएम–पीएनसी गठबंधन द्वारा चलाया गया अभियान राष्ट्र पर भारतीय प्रभाव की आशंकाओं पर आधारित था। रिपोर्ट में कहा गया कि ईयू ईओएम पर्यवेक्षकों ने पीपीएम–पीएनसी की ओर से राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक भाषा के उदाहरणों पर गौर किया। उनके अभियान में भारत विरोधी भावनाएँ शामिल थीं, जो भारतीय प्रभावों के डर और देश के अंदर भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति के बारे में चिंता पर आधारित थीं। यह विषय कई ऑनलाइन दुष्प्रचार प्रयासों का विषय था। यूरोपीय संघ मिशन ने नोट किया कि राजनीतिक और अभियान धन उगाहने और वित्तीय व्यय में पारदर्शिता और प्रभावी निरीक्षण का अभाव है। ईयू ईओएम ने सार्वजनिक सेवा मीडिया सहित मीडिया की राजनीतिक पक्षपात को भी दर्ज किया, जबकि सोशल मीडिया में सूचना हेरफेर के कुछ संकेत थे। उस समय के मौजूदा राष्ट्रपति, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, देश की राष्ट्रपति प्रणाली की सरकार में पिछले साल फिर से चुनाव की मांग कर रहे थे। विपक्षी पीपीएम–पीएनसी गठबंधन द्वारा समर्थित पीएनसी के मोहम्मद मुइज्जू ने उन्हें हराकर 54 प्रतिशत वोटों के साथ चुनाव जीता।

भारत समर्थक शेरिंग टोबगे की भूटान चुनाव में धमाकेदार जीत, पीएम मोदी ने दी बधाई

भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को टोबगे को चुनाव जीतने के लिए बधाई दी। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि भूटान में संसदीय चुनाव जीतने के लिए मेरे मित्र शेरिंग टोबगे और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को हार्दिक बधाई। भूटान में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने देश के संसदीय चुनाव में जीत हासिल की, जिससे पूर्व प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे की सत्ता में वापसी का रास्ता साफ हो गया। टोबगे की पार्टी ने नेशनल असेंबली की 47 में से 30 सीटें जीतीं। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व सिविल सेवक पेमा चेवांग के नेतृत्व वाली भूटान टेंड्रेल पार्टी ने 17 सीटें हासिल कीं। सत्तारूढ़ ड्रुक न्यामरूप त्शोग्पा पार्टी सहित तीन अन्य दल मंगलवार को हुए दूसरे दौर के मतदान के लिए अर्हता प्राप्त नहीं कर सके। नवंबर में शुरुआती दौर के मतदान में वे चुनावी मुकाबले से बाहर हो गए। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को टोबगे को चुनाव जीतने के लिए बधाई दी। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि भूटान में संसदीय चुनाव जीतने के लिए मेरे मित्र शेरिंग टोबगे और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को हार्दिक बधाई। दोस्ती और सहयोग के अपने अनूठे संबंधों को और मजबूत करने के लिए फिर से मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। दक्षिण एशिया में रणनीतिक प्रभाव की प्रतिस्पर्धा के बीच भूटान में चुनाव के नतीजे भारत और चीन के लिए महत्वपूर्ण हैं। टोबगे, जो पहले 2013 और 2018 के बीच प्रधान मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं, को भारत समर्थक के रूप में देखा जाता है। पैकेज डील प्रस्ताव डोकलाम सीमा विवाद को सुलझाने का प्रयास है। पैकेज डील, जिसे बीजिंग 1990 के दशक से आगे बढ़ा रहा है, चीन को पश्चिमी भूटान में विवादित क्षेत्रों पर नियंत्रण देगा, जहां डोकलाम स्थित है, बदले में थिम्पू उन क्षेत्रों को सुरक्षित करेगा जिन पर वह उत्तरी सीमा पर दावा करता है। निवर्तमान प्रधान मंत्री लोटे शेरिंग ने चीन के साथ एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें दोनों देशों के बीच सीमा के परिसीमन और सीमांकन पर एक संयुक्त तकनीकी टीम की जिम्मेदारियों को रेखांकित किया गया।

लाइव टीवी पर आ गए बंदूकधारी, एंकर पर तानी गन, इक्वाडोर में आपराधिक समूहों और सरकार के बीच क्यों छिड़ी जंग ?

घटना के रोंगटे खड़े कर देने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए जिसमें टीवी चौनल श्टीसीश के कर्मचारियों को हमलावरों द्वारा जबरदस्ती फर्श पर गिराते देखा जा सकता है। नकाबपोश और हथियारबंद बंदूकधारियों के एक समूह ने इक्वाडोर के गुआयाकिल शहर में एक टेलीविजन स्टूडियो पर हमला किया और लाइव प्रसारण के दौरान कर्मचारियों को धमकाया, सुरक्षा बलों और नागरिकों को मारने की धमकी दी। घटना के रोंगटे खड़े कर देने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए जिसमें टीवी चौनल श्टीसीश के कर्मचारियों को हमलावरों द्वारा जबरदस्ती फर्श पर गिराते देखा जा सकता है। एक वीडियो में कर्मचारी को दर्द से चिल्लाते हुए सुना जा सकता है। स्टूडियो की लाइटें बंद हो गईं लेकिन लाइव प्रसारण जारी रहा। वहीं, एक अन्य व्यक्ति को यह कहते हुए सुना गया, गोली मत मारो, कृपया गोली मत मारो। इस बीच, एक टीसी कर्मचारी ने एक व्हाट्सएप संदेश में समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि वे हमें मारने आए थे। हे ईश्वर ऐसा न हो. अपराधी बेलगाम हैं। लगभग 30 मिनट के बाद, पुलिस अधिकारी स्टाफ सदस्यों को मुक्त कराने के लिए स्टूडियो में दाखिल हुए और 13 बंदूकधारियों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने घुसपैठियों के पास से कई हथियार भी बरामद किये। क्यों आई ये नौबत ऐसा तब हुआ है जब इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने हाल ही में इक्वाडोर के सबसे शक्तिशाली आपराधिक आकाओं में से एक एडोल्फो मैकियास उर्फ फिटो के जेल से भागने के बाद 60 दिनों के लिए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। नाबोआ ने सशस्त्र बलों को सशस्त्र लोगों को बेअसर करने के लिए सैन्य अभियान चलाने का भी आदेश दिया। राष्ट्रपति की कार्रवाई के जवाब में गैंगस्टरों ने भी पुलिस अधिकारियों का अपहरण कर लिया और कई शहरों में विस्फोटक विस्फोट किए।

भारत के लिए क्यों इतना अहम है अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव ? ट्रंप टै बाइडेन की जंग को इन 4 प्वाइंट से समझें

विपक्ष ने सरकार पर लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति को मतदान से दूर रखने के लिए कानून को हथियार बनाने का आरोप लगाया है और राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की तैयारी करके जवाबी कार्रवाई कर रही है। वर्ष 2024 चुनावों के लिहाज से एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला वर्ष होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका सहित 50 देशों के दो अरब से अधिक मतदाता अपने मतदान करेंगे। सभी की निगाहें संयुक्त राज्य अमेरिका पर होंगी, जहां एक पूर्व राष्ट्रपति गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना करने के बावजूद फिर से चुनाव लड़ेंगे। एक ऐसा स्थान है जहां निवर्तमान राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्ती को नाजी कहते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने अपने उत्तराधिकारी पर पिछले चुनाव में हेराफेरी का आरोप लगाया। वर्तमान प्रतिष्ठान पूर्व राष्ट्रपति पर कई आपराधिक मामले दर्ज कर रहा है। विपक्ष ने सरकार पर लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति को मतदान से दूर रखने के लिए कानून को हथियार बनाने का आरोप लगाया है और राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की तैयारी करके जवाबी कार्रवाई कर रही है। शीर्ष अदालत हरकत में आ गई है, लेकिन उसका फैसला जो भी हो, ध्रुवीकृत समाज का एक बड़ा वर्ग इसे नाजायज और राजनीति से प्रेरित भी बता रहा है। हम तीसरी दुनिया में बनाना रिपब्लिक की नहीं, बल्कि अमेरिका की बात कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश नीति अभिजात वर्ग खुद को लोकतंत्र के चौंपियन के रूप में देखता है। यह नियमित रूप से न केवल अन्य देशों के व्यापक राजनीतिक रुझान बल्कि उनके भीतर सूक्ष्म रुझानों पर भी निर्णय पारित करता है। वाशिंगटन लोकतांत्रिक मानदंडों के विरुद्ध कथित उल्लंघनों के लिए विदेशी सरकारों को दंडित करता है। लेकिन अमेरिकी लोकतंत्र का क्या? दुनिया भर के राजनीतिक अभिजात वर्ग के लिए अमेरिकी आलोचना का शिकार हो रहे हैं। अमेरिका हालाँकि, जो मायने रखता है वह अमेरिका की आंतरिक गतिशीलता के परिणाम हैं। आखिरकार, इसके लोकतंत्र की गुणवत्ता के बावजूद, इसकी

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सिराज को बड़ा फायदा, रोहित–विराट की भी लंबी छलांग

केपटाउन में शानदार गेंदबाजी करने के कारण मोहम्मद सिराज को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। उन्होंने आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 13 स्थान की छलांग लगाते हुए 17वें स्थान पर कब्जा जमाया है। ये सिराज की करियर की बेस्ट रैंकिंग है। वह पहली बार टॉप 20 में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में शानदार गेंदबाजी करने के कारण मोहम्मद सिराज को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। उन्होंने आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 13 स्थान की छलांग लगाते हुए 17वें स्थान पर कब्जा जमाया है। ये सिराज की करियर की बेस्ट रैंकिंग है। वह पहली बार टॉप 20 में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। इसके अलावा रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी इस रैंकिंग में फायदा हुआ है। सिराज ने केपटाउन में खेले गए टेस्ट मैच में 15 रन खर्चकर 6 विकेट अपने नाम किए थे और मैच की पहली पारी में साउथ अफ्रीका की पारी सिर्फ 55 रनों पर समेट दी थी। भारत को इस मैच में 7 विकेट से जीत हासिल हुई थी। जिसकी बदौलत उसने 2 टेस्ट की सीरीज को 1–1 से बराबर कर दिया था। भारत की इस जीत से कई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। दूसरी ओर सिराज के जोड़ीदार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी फायदा

हुआ है। वह गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे पायदान पर पहुंच गए हैं। बुमराह ने इस स्थान से रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ा है, जडेजा अब 5वें नंबर पर हैं। वहीं साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को एक पायदान का नुकसान हुआ है। वह दूसरे स्थान से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। बल्लेबाजों की लिस्ट की बात करें तो, विराट कोहली और रोहित शर्मा भी टॉप में लौटे हैं। कोहली अब छठे नंबर पर तो भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 4 स्थान चढ़कर टॉप 10 में पहुंच गए हैं।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले अफगानिस्तान को बड़ा झटका, राशिद खान हुए बाहर

राशिद खान को भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए अफगानिस्तान स्क्वॉड में शामिल किया गया। मैच से ठीक एक दिन पहले कप्तान ने कहा कि राशिद को प्लेइंग 11 के सिलेक्शन के लिए उपलब्ध होने में कुछ समय लगेगा। भारत बनाम अफगानिस्तान तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 11 जनवरी यानी कि गुरुवार से होना है। सीरीज के आगाज से एक दिन पहले अफगानिस्तान की टीम को एक बड़ा झटका लगा है। अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जदरान ने कहा है कि राशिद खान बतौर खिलाड़ी इस टी20

इंटरनेशनल सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। 25 साल के राशिद खान ने कुछ समय पहले ही लोअर बैक की सर्जरी कराई है। बता दें कि, राशिद खान को भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए अफगानिस्तान स्क्वॉड में शामिल किया गया। मैच से ठीक एक दिन पहले कप्तान ने कहा कि राशिद को प्लेइंग 11 के सिलेक्शन के लिए उपलब्ध होने में कुछ समय लगेगा। भारत बनाम अफगानिस्तान पहला टी20 इंटरनेशनल मैच मोहाली के पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आइएस बिंद्रा स्टेडियम में खेला जाना है। राशिद खान अफगानिस्तान के साथ चंडीगढ़ पहुंचे हुए हैं और इसके अलावा उन्होंने ट्रेनिंग सेशन में भी हिस्सा लिया। स्पोर्टस्टार के मुताबिक जदरान ने मैच से एक दिन पहले कहा कि वह पूरी तरह से फिट नहीं है, लेकिन वह टीम के साथ ट्रेवल कर रहा है। उम्मीद करता हूं कि वह जल्द से जल्द पूरी तरह से फिट हो जाए। जदरान ने हालांकि, कहा कि राशिद के नहीं होने से भी टीम में काफी टैलेंटेड खिलाड़ी हैं, जो उनकी कमी पूरी करने के लिए जान लगा देंगे। उन्होंने कहा कि, बिना राशिद के कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन पर हमने भरोसा जताया है।

आंद्रे एडम्स बने न्यूजीलैंड टीम के गेंदबाजी कोच, पूर्व क्रिकेटर का विवादों से रहा है नाता

पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे एडम्स को नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। आंद्रे को पाकिस्तान के खिलाफ घर पर खेले जाने वाली 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए गेंदबाजी कोच बनाया गया है। 48 साल का ये खिलाड़ी हेड कोच गैरी स्टेड की ग्रुप का हिस्सा बनेगा जिसमें न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ल्यूक रोंची भी हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपनी कोचिंग में बदलाव किया है और पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे एडम्स को नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। आंद्रे को पाकिस्तान के खिलाफ घर पर खेले जाने वाली 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए गेंदबाजी कोच बनाया गया है। 48 साल का ये खिलाड़ी हेड कोच गैरी स्टेड की ग्रुप का हिस्सा बनेगा जिसमें न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ल्यूक रोंची भी हैं। बता दें कि,

एडम्स ने न्यूजीलैंड के लिए 42 वनडे, 4 टी20 और एक टेस्ट खेला है। इस खिलाड़ी का करियर महज 5 साल लंबा है। इंग्लिश काउंटी में नॉटिंघमशर, हैंपशर और एसेक्स के लिए भी वह खेल चुके हैं। लेकिन साल 2007 में उन्होंने इस खेल को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। इसके बाद एडम्स ने गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभाली और ऑस्ट्रेलिया की डोमेस्टिक साइड न्यू साउथ वेल्स का हिस्सा बने। साथ ही इस खिलाड़ी को मिचेल स्टार्क और लॉकी फर्ग्यूसन की वापसी करवाने के लिए भी जाना जाता है। विवादों से घिरा रहा करियर हालांकि, इन सब के बावजूद एडम्स का करियर विवादों में घिरा हुआ है। इसमें सबसे बड़ा विवाद उस वक्त सामने आया था जब 2006–07 में ऑकलैंड के लिए डोमेस्टिक में 32 विकेट लेने के बाद उन्होंने एक बल्लेबाज का सिर पकड़कर घुमा दिया था। एडम्स ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के बल्लेबाज बेवन ग्रिग्स का हेलमेट पकड़कर उनका सिर घुमा दिया था। इसके बाद उनपर एक महीने का बैन लगाया गया था। लेकिन बाद में उन्हें श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज केलिए वापस टीम में लिया गया। हालांकि, वो वर्ल्ड कप में नहीं चुने गए और साल 2007 में उन्होंने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी गंवा दिया। वहीं हाल ही में एडम्स को न्यूजीलैंड महिला टीम का गेंदबाजी कोच बनाया गया था। ऐसे में उनकी जगह शेन जर्गनसन लेंगे जो 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद न्यूजीलैंड टीम की गेंदबाजी कोच के पद से हट चुके हैं। इसके अलावा टी20 सीरीज के दौरान न्यूजीलैंड के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच क्रिस डोनाल्डसन और साइमन इन्से ब्रेक लेंगे।

इस खिलाड़ी का चौंकाने वाला बयान, कहा– कुलदीप के कारण युजवेंद्र चहल की मुश्किलें बढ़ी

पूर्व स्पिनर इमरान ताहिर का मानना है कि युजवेंद्र चहल अभी भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कलाई के स्पिनरों में से है लेकिन कुलदीप यादव के शानदार फॉर्म के चलते उन्हें अपनी बारी आने का इंतजार करना होगा। ताहिर का मानना है कि बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप मौकों को भुनाने में कामयाब रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्पिनर इमरान ताहिर का मानना है कि युजवेंद्र चहल अभी भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कलाई के स्पिनरों में से है लेकिन कुलदीप यादव के शानदार फॉर्म के चलते उन्हें अपनी बारी आने का इंतजार करना होगा। ताहिर का मानना है कि बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप मौकों को भुनाने में कामयाब रहे हैं। चहल को पिछले साल भारत में हुए वनडे विश्व कप के लिये टीम में जगह नहीं मिली और अमेरिका तथा वेस्टइंडीज में जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये भी उनका चयन मुश्किल है। ताहिर ने पीटीआई से बातचीत में कहा ,'' मुझे नहीं लगता कि युजी को खराब फॉर्म के कारण बाहर किया गया है। वह अच्छी गेंदबाजी कर रहा था लेकिन कुलदीप जबर्दस्त फॉर्म में है और उसने रविंद्र जडेजा के साथ गेंदबाजी में अच्छा तालमेल बना लिया है।''अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में करीब 300 विकेट ले चुके ताहिर ने कहा ,'' मेरा मानना है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लेग स्पिनरों में से है और उसे अपनी बारी का इंतजार करना होगा। उसके प्रदर्शन के कारण नहीं बल्कि दूसरे खिलाड़ी के शानदार फॉर्म के कारण। मुझे इसमें कोई शक नहीं कि वह वापसी करेगा।'' ताहिर का मानना है कि अगर उन्हें दुनिया के दो शीर्ष कलाई के स्पिनरों को चुनना होगा तो

वह कुलदीप और दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी को चुनेंगे। उन्होंने कहा ,'' कुलदीप ने पिछले साल और उससे पहले भी जो उपलब्धियां हासिल की है, मैं बतौर स्पिनर उसकी तारीफ करता हूं। मैं कुलदीप और शम्सी को चुनूंगा।''दक्षिण अफ्रीका टी20 के दूसरे सत्र में जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स के लिये खेलने वाले ताहिर ने कहा ,'' हम जीतना चाहते हैं। यही वजह है कि हम यहां जल्दी आ गए और कड़ा अभ्यास कर रहे हैं।'' चेन्नई सुपर किंग्स के लिये कई सत्र खेल चुके ताहिर का मानना है कि जेएसके के सदस्यों को यह बताना उनकी जिम्मेदारी है कि खिलाड़ियों के लिये सुपर किंग्स परिवार क्या मायने रखता है। उन्होंने कहा ,'' जेएसके परिवार हमारा और हमारे परिवार का सम्मान करता है। जब आप सीएसके के लिये खेलते हैं तो वैसा अनुभव कहीं और नहीं मिलता। इस टीम के युवा सदस्यों को उसके बारे में बताना है कि यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फ्रेंचाइजी है जिसके लिये खिलाड़ी और उनके परिवार सर्वोपरि है।

ईशान किशन से बीसीसीआई है नाराज, मानसिक थकान के नाम पर दुबई में कर रहे थे पार्टी

ईशान किशन ने टीम मैनेजमेंट को बताया कि उन्हें मानसिक थकान है, क्योंकि वह लगातार टीम में थे और घर वापस अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते थे। इसके बजाय उन्होंने दुबई जाकर पार्टी करना चुना। बीसीसीआई ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए स्क्वॉड की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज दरअसल, हाल ही में रिपोर्ट्स में सामने आया है कि, बोर्ड ईशान किशन से नाराज है। वर्ल्ड कप 2023 के बाद बोर्ड ने सीनियर खिलाड़ियों को खेल से ब्रेक दिया था। इन खिलाड़ियों में विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह खिलाड़ी शामिल थे। लेकिन ईशान ने भी बोर्ड से ब्रेक की अपील की थी जिसे खारिज कर दिया गया था।

जिसके बाद ईशान ने बोर्ड को मानसिक थकान का हवाला देते हुए छुट्टियां मांगी थी। साथ ही उन्होंने परिवार के साथ समय बिताने की भी इच्छा जाहिर की थी। लेकिन इस बीच उनका चयन ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए हुआ। हालांकि, वह साउथ अफ्रीका दौरे के बीच से ही भारत वापिस लौट आए थे। बीसीसीआई के सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि उन्होंने यानी की ईशान किशन ने टीम मैनेजमेंट को बताया कि उन्हें मानसिक थकान है, क्योंकि वह लगातार टीम में थे और घर वापस अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते थे। इसके बजाय उन्होंने दुबई जाकर पार्टी करना चुना। ईशान की अर्जी पर बोर्ड ने उन्हें ब्रेक लेने की इजाजत दी। लेकिन वह परिवार से मिलने या आराम करने की बजाय दूसरी गतिविधियों में शामिल होते नजर आए। इसके बाद ये चर्चाएं है कि बोर्ड का अब ईशान के ऊपर विश्वास नहीं रहा है।

डेविड वार्नर की जगह विशेषज्ञ स्पिनर नहीं, ग्रीन की आस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

आस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा ,'' हमने ऐसी टीम चुनी है जिसमें देश के छह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।'' ऐसी अटकलें हैं कि स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतर सकते हैं और ग्रीन मध्यक्रम में रहेंगे। कैमरन ग्रीन को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के लिये आस्ट्रेलियाई टीम में जगह दी गई है चूंकि चयनकर्ताओं ने डेविड वॉर्नर की जगह विशेषज्ञ स्पिनर को चुनने का फैसला नहीं किया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बुधवार को 13 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। इसमें बल्लेबाजी क्रम का खुलासा नहीं किया गया है

लेकिन इसकी पुष्टि की कि हरफनमौला ग्रीन टीम में होंगे। वॉर्नर टेस्ट क्रिकेट को हाल ही में अलविदा कह चुके हैं। आस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा ,'' हमने ऐसी टीम चुनी है जिसमें देश के छह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। '' ऐसी अटकलें हैं कि स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतर सकते हैं और ग्रीन मध्यक्रम में रहेंगे।वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट 17 जनवरी से एडीलेड में होगा। आस्ट्रेलिया टेस्ट टीम रू पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कारी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, मैट रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क। आस्ट्रेलिया वनडे टीम रू स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबोट, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मौरिस, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, एडम जाम्पा।

सर्दी में पीनी है रम तो जरूर अपनाएं ये नियम, यकीनन बेहद काम आएंगे खास टिप्स

सर्दियों के मौसम में जब तापमान गिरने लगता है, तब अकसर लोग अपने शरीर को गर्म रखने के लिए अल्कोहल का सहारा लेते हैं. खासकर के ठंडे प्रदेशों में रम काफी पसंद किया जाता है. रम का सीमित मात्रा में किया जाए तो यह फायदेमंद भी होता है. रम में उच्च अल्कोहल की मात्रा होती है जो पीने पर शरीर को अंदर से गर्म करती है. जिससे हमें कुछ समय के लिए गर्माहट महसूस होती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि रम पीते समय कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है. नहीं तो यह फायदे के जगह नुकसान पहुंचा सकता है. आइए जानते हैं यहां कुछ खास टिप्स.

.. जानें कितनी मात्रा में पिएं एक दिन में 1 से 2 पेग यानि 30 से 45 मिलीलीटर से अधिक रम पीने से बचना चाहिए. ज्यादा मात्रा में रम पीने से नशे की हालत, उल्टी–दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसके साथ ही लिवर और किडनी पर भी इसका बुरा असर पड़ता है. इसलिए सलाह यही है कि रम का आनंद लें लेकिन सीमित मात्रा में ही ताकि आपको किसी तरह का नुकसान न हो.सर्दियों में ठंडा रम न पिएंसर्दियों में रम को कमरे के तापमान रख कर पिएं. बर्फ से ठंडा न करेंबर्फ से ठंडा किया गया रम सिर्फ गले को ही ठंडा करता है. सर्दी जुकाम की समस्या

होने लगती है. ऐसे में रम को ठंडा पीने से बचना चाहिए.रम को धीरे–धीरे पिएं सर्दियों में रम को शरीर को गर्म रखने के लिए पीते हैं.नशे के लिए नहीं इसलिए रम को धीरे–धीरे घूंटकर पीना चाहिए, एक ही बार में ग्लास फिनिश न करेंखाली पेट रम पीने से बचें खाली पेट रम पीने से बचें क्योंकि इससे नशा ज्यादा होता है और हैंगओवर की समस्या हो सकती है. खाली पेट रम पीने से शराब की मात्रा सीधे लिवर में पहुंच जाती है और लिवर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। इससे लिवर को नुकसान पहुंच सकता है. साथ ही खाली पेट रम पीने के बाद उलटी–दस्त, चक्कर आने जैसी समस्याएं आम होती है और नशे की हालत में जल्दी आ जाती है. इसलिए रम का सेवन करने से पहले कुछ हल्का–फुल्का खा लेना हमेशा बेहतर रहता है.

स्कैल्प एक्ने के इलाज में मदद करेंगे ये घरेलू उपाय

टी ट्री ऑयल को इसके एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज के जाना जाता है। आप टी ट्री ऑयल की मदद से स्कैल्प एक्ने को काफी हद तक मैनेज कर सकते हैं। इसके लिए आप टी ट्री ऑयल को नारियल तेल जैसे कैरियर ऑयल के साथ मिक्स करें।स्कैल्प एक्ने ऐसी स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को बहुत अधिक दर्द व असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। स्कैल्प एक्ने जिसे स्कैल्प फॉलिकुलिटिस भी कहा जाता है, कभी–कभी बहुत अधिक दर्दनाक हो सकता है। इस स्थिति में स्कैल्प पर छोटे, लाल दाने या दाने विकसित हो जाते हैं। अगर इनका सही तरह से इलाज न किया जाए तो ये उभार खुजली, जलन और यहां तक कि संक्रमण का कारण बन सकते हैं। अमूमन स्कैल्प एक्ने होने पर एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए।

सेलिब्रिटीज जैसे वाइब्रेंट स्किन पाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, शीशे जैसी मिलेगी स्किन

कई लोगों का मानना होता है कि खूबसूरत दिखने के लिए ढेर सारे पैसे खर्च करने होते हैं। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं होता है। अगर आप भी सेलिब्रिटीज जैसी ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं। आप भी इन टिप्स को अपनाकर हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। अपने फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस की खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन आपको भी काफी अच्छी लगती होगी। तो वहीं कुछ सेलिब्रिटीज बिना मेकअप के भी काफी अच्छे नजर आते हैं। ऐसे में आपके मन में यह सवाल जरूर आता होगा कि उनकी स्किन इतनी ग्लोइंग कैसे नजर आती है। ज्यादातर लोगों का मानना होता है कि खूबसूरत दिखने के लिए ढेर सारे पैसे खर्च करने होते हैं। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं होता है। महंगे ट्रीटमेंट या खास उत्पाद नैचुरल ब्यूटी के लिए जरूरी नहीं होती है। बल्कि कुछ ऐसी आदतें होती हैं, जिनकी मदद से आप भी सेलिब्रिटी जैसी स्किन पा सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी सेलिब्रिटी जैसी ग्लोइंग और खूबसूरत स्किन पाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको फॉलो कर आप भी सच्चिब्रेटिज जैसी स्किन पा सकते हैं। कैसी है स्किन सिलेब्रिटिज जैसी स्किन पाने के लिए आपको सबसे पहले यह समझने की जरूरत है कि आपकी त्वचा कैसी है। वहीं एक्टर या एक्ट्रेस को भी ड्राई स्किन, मुंहासे और सनबर्न जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहीं लाइट, मेकअप और केमिकल्स के संपर्क में स्किन ज्यादा आती है। इसलिए उनको स्किन संबंधी कई तरह की समस्याएं अधिक होती हैं। मेकअप से बचने के लिए एक्टर और एक्ट्रेस को अपनी स्किन का खास ख्याल रखना पड़ता है। ऐसे में आप भी इन टिप्स को अपनाकर हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। खूब पानी पिएं आपने भी अधिकतर सिलेब्रिटीज को पानी की बोतल के साथ देखा होगा। क्योंकि स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए पानी का पर्याप्त मात्रा में सेवन करना बेहद जरूरी होता है। पर्याप्त

मात्रा में पानी के सेवन से आपकी स्किन हाइड्रेट रहती है। साथ ही पानी के सेवन से बॉडी से विषाक्त पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं। जिससे स्किन हेल्दी और ग्लोइंग बनती है।डाइट में करें सुधार आपको बता दें कि एक्टर व एक्ट्रेस की फिट और ग्लोइंग बॉडी का राज उनकी डाइट में छिपा होता है। क्योंकि डाइट का सीधा असर हमारी स्किन पर पड़ता है। ऐसे में अगर आप ज्यादा तला–भुना या मिर्च मसाले वाला खाना खाते हैं, तो आपको पिगमेंटेशन या फिर पिंपल की समस्या हो सकती है। इसलिए अपनी डाइट में आपको प्रोटीन, फाइबर रिच फूड्स और हरी सब्जियों को शामिल करें।

नींद है जरूरीशरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को 7–8 घंटे की नींद लेना जरूरी होता है। बिजी लाइफस्टाइल के बाद भी आपको पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। क्योंकि नींद पूरी न होने पर हार्मोन्स असंतुलित हो जाते हैं, जो न सिर्फ शरीर बल्कि स्किन के लिए भी सही नहीं होता है। अच्छी नींद न लेने से आंखों में सूजन, काले घेरे और डल स्किन की समस्या होने लगती है।स्किन को रखें साफ अगर आप भी सिलेब्रिटीज जैसी स्किन पाना चाहते हैं तो अपनी स्किन को साफ रखें। इसके लिए सप्ताह में 2 बार स्किन को स्क्रब जरूर करें।

फिटनेस को लेकर रितिक के फैन बन गए हैं अक्षय ओबेराय

आगामी फिल्म फाइटर में अभिनय करने वाले अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने कहा कि फिल्म के जरिए मुझे फिटनेस आइकन और स्टार ऋतिक रोशन के साथ जुड़ने का मौका मिला।

अक्षय ने कहा, मैं छोटी उम्र से ही फिटनेस का शौकीन रहा हूं, लेकिन फाइटर में ऋतिक के साथ काम करने से मुझे फिटनेस और स्वस्थ शरीर बनाए रखने का एक नया नजरिया मिला।उन्होंने कहा, ऋतिक बॉलीवुड में एक सचे फिटनेस आइकन हैं, और एक ही प्रोजेक्ट पर काम करने से दो फिटनेस प्रेमी एक साथ आए हैं। फिटनेस के प्रति उनका समर्पण और जुनून वास्तव में प्रेरणादायक है।अपनी स्वस्थ जीवन शैली के प्रति प्रतिबद्धता के लिए ऋतिक, अक्षय के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति बन गए हैं। अक्षय ने ऋतिक के साथ काम करने के परिवर्तनकारी प्रभाव को स्वीकार

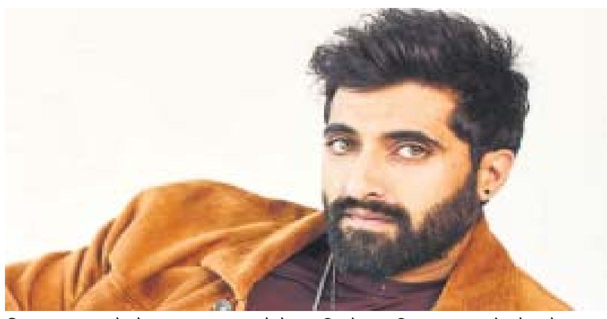

किया।उन्होंने कहा, मेरे सह–अभिनेता से मिली प्रेरणा ने मुझे एक फिट जीवन जीने का नया दृष्टिकोण दिया है। यह सिर्फ शारीरिक फिटनेस के बारे में नहीं है। यह एक समग्र दृष्टिकोण है जिसे ऋतिक अपनाते हैं और यह वास्तव में प्रेरक है। फाइटर सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित एक एक्शन फिल्म है। फिल्म में दीपिका पादुकोण, ऋतिक और अनिल कपूर हैं। फाइटर 25 जनवरी को रिलीज होगी।

सलमान खान द बुल के लिए हर रोज ले रहे 3.5 घंटे की ट्रेनिंग, डाइट बदली

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म द बुल में ब्रिगेडियर फारुख बुल्सारा की भूमिका निभाते नजर आएंगे। एक्टर को दिवाली सीजन में ब्लॉकबस्टर फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था। सलमान खान हर रोज 3.5 घंटे की ट्रेनिंग ले रहे हैं। एक्टर ने किरदार की तैयारी के तहत अपनी डाइट में भी थोड़ा बदलाव किया है। फिल्म की टीम ने 29 दिसंबर को मुंबई में महूरत शॉट के साथ शुरुआत की और सुपरस्टार अर्धसैनिक बलों के साथ ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, सलमान खान फिल्म में ब्रिगेडियर फारुख बुल्सारा का भूमिका निभाएंगे, जिन्होंने 1988 में मालदीव में ऑपरेशन कैक्टस का नेतृत्व किया था। वह अपकमिंग धर्मा प्रोजेक्ट में एक अर्धसैनिक अधिकारी की भूमिका निभाएंगे, जिसकी शूटिंग फरवरी में शुरू होगी। ब्रिगेडियर बुल्सारा का किरदार निभाने के लिए सुपरस्टार को कड़ी फिजिकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ रहा है। विष्णु वर्धन द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित द बुल, ऑपरेशन कैक्टस की एक रीटेलिंग पेश करती है, जिसमें 3 नवंबर 1988 को इंडियन आर्म्ड फोर्सेज ने मालदीव की मदद की थी, जब बिजनेसमैन अब्दुल्ला लुथुफी और पीपुल्स लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन ऑफ तमिल ईलम (पीएलओटीई) में तख्तापलट की कोशिश की गई थी। भारतीय सेना ने कई सैनिकों को मार गिराया था और कुछ ही घंटों में राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम की सरकार पर नियंत्रण बहाल कर दिया था। सूत्र ने आगे कहा, सुपरस्टार चरित्र में ढलने के लिए प्रतिदिन 3.5 घंटे ट्रेनिंग ले रहे हैं। बेशक अपनी डाइट में मामूली बदलाव के साथ।

काफी विद करण में जाह्वी कपूर ने अपने बायफ्रेंड शिखर पहाडिया पर खुलकर की बात

स्ट्रीमिंग चौट शो कॉफी विद करण के आगामी एपिसोड में अभिनेत्री जाह्वी कपूर अपनी बहन खुशी कपूर के साथ नजर आने वाली हैं। शो में जाह्वी ने अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाडिया के बारे में खुलासा किया।

जाह्वी कपूर और शिखर पहाडिया को कई मौकों पर एक साथ देखा गया है और वे सोशल मीडिया पर भी जुड़े रहते हैं।इसके बारे में बात करते हुए करण जोहर ने पूछा, आपका प्यार का सफर दिलचस्प रहा है, आप शिखर को डेट कर रही थीं, और फिर आपने किसी और को डेट किया और अब आप फिर से शिखर को डेट कर रही हैं। सही या गलत?

मैं ऐसा नहीं कहूंगी, लेकिन मैं यह कहूंगी, वह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि हमारे परिवार में सभी के लिए शुरू से एक दोस्त रहे है। इस तरह से नहीं कि मुझे ऐसा लगे कि वह किसी चीज की उम्मीद कर रहे है। जाह्वी कपूर ने कहा, वह बहुत ही निस्वार्थ गरिमापूर्ण तरीके से वहां थे। मैंने ऐसे लोगों को नहीं देखा जो दूसरे इंसान के लिए काम करने में सक्षम हों। कॉफी विद करण डिनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होता है।

मैं माफिंग, डीपफेक वीडियो के बारे में जागरूकता फैलाने में विश्वास करती हूं – आराधना शर्मा

अभिनेत्री आराधना शर्मा, जो आगामी वेब सीरीज वीडियो कैम स्कैम का हिस्सा हैं, ने बताया कि किस चीज ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए आकर्षित किया, और बताया कि कैसे वह बढ़ती जागरूकता के बारे में जागरूकता फैलाने में विश्वास करती हैं। मॉर्फिंग और डीपफेक वीडियो जैसे चलन, जो लोगों को मानसिक और आर्थिक रूप से काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। आराधना ने सीरीज के बारे में बात करते हुए साझा किया कि शीर्षक आपको संकेत देता है कि इसमें वीडियो, एक कैमरा और एक घोटाले की कहानी शामिल है। वह कहती हैं, हालांकि, घोटाला सिर्फ वित्तीय नहीं हैय यह आपके मूल्यों, नैतिकता और व्यक्तिगत अखंडता का शोषण करके आपको भावनात्मक रूप से भी निशाना बनाता है। यह मौजूदा एआई तकनीक द्वारा संचालित कैमरों और उन्नत वीडियो तकनीकों के उपयोग के जरिए किया जाता है। संक्षेप में, यह एक ऐसा कथानक है जो न केवल आपकी वित्तीय भलाई, बल्कि आपके भावनात्मक और नैतिक मूल्यों में भी हेरफेर करता है। बरसातें की अभिनेत्री ने शो के लिए हां कहने के पीछे की वजह के बारे में कहा, वास्तव में, जिस चीज ने मुझे इस प्रोजेक्ट की ओर आकर्षित किया, वह यह है कि एक अभिनेत्री के रूप में मेरी भूमिका सिर्फ प्रदर्शन से परे है, यह जागरूकता बढ़ाने के बारे में है। मैं मॉर्फिंग और डीपफेक वीडियो जैसे बढ़ते रुझानों के बारे में जागरूकता फैलाने में विश्वास करती हूं, जो लोगों को मानसिक और आर्थिक रूप से काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। आराधना ने इसे एक सार्थक एजेंडे में योगदान करने के अवसर के रूप में देखा और इन मुद्दों को संबोधित करने वाली परियोजना का हिस्सा बनने में उद्देश्य की भावना महसूस की। लोकप्रिय सिटकॉम तारक मेहता का उल्टा चश्मा का हिस्सा रह चुकीं दिवा ने अपने किरदार के बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि वह एक अनैतिक हैकर है, जैसा आपने फिल्मों में देखा होगा, जो केवल पैसे के लिए प्रयास से प्रेरित है। उन्होंने कहा, वह दौलत की भूखी एक कॉलेज ड्रॉपआउट है, लेकिन जो चीज मेरे किरदार को अलग करती है, वह है उसके अंदर की भावनाओं का स्पर्श। एक घोटालेबाज, अनैतिक और काफी खतरनाक होने के बावजूद, एक विशिष्ट भावनात्मक पक्ष है जो उसे कहानी के अन्य पात्रों से अलग बनाता है। पवन मालू द्वारा निर्मित, वैभव खिश्ती निर्देशित और अर्पित वगेरिया लिखित यह सीरीज एपिक पर स्ट्रीमिंग होगी।

हिना खान ने रणबीर कपूर के गाने पहले भी मैं के ट्रैक पर बनाई स्विमिंग वीडियो, हाटनेस से छुड़ाए पसीने

तेज बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती होने के बाद एक्ट्रेस हिना खान सोशल मीडिया पर फिर से एक्टिव हो गई हैं। उन्होंने हाल ही में एक स्विमिंग वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने पॉपुलर ट्रैक पहले भी मैं को ऐड किया है। 28 दिसंबर को हिना ने अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी अपने फैंस को दी थी। 3 जनवरी को हिना ने साल 2024 की पहली तस्वीरें शेयर की और

बताया कि वह अब ठीक हो रही हैं। ये रिश्ता क्या कहलाता है, नागिन 5, कसौटी जिंदगी की, डैमेड 2 और बिग बॉस 11 सहित अन्य में अपने काम के लिए जानी जाने वाली हिना खान ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की है, जिसमें वह स्विमिंग पूल में नजर आ रही हैं। उन्होंने येलो कलर की स्लीवलेस ड्रेस पहनी हुई है और पानी के बीच झूले पर बैठी हैं। उन्होंने वाइट फ्रेम वाले सनग्लास के साथ लुक को पूरा किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने इमोजी शेयर किया। उन्होंने विशाल मिश्रा और राज शेखर द्वारा गाए गाने पहले भी मैं का म्यूजिक भी ऐड किया। यह गाना हाल ही में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर एनिमल से है, जिसमें रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी ने अभिनय किया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्हें अब से पहले फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 13 में एक चौलेंजर के रूप में देखा गया था।

हाल्टर नेक टाप में अमला पाल ने फ्लान्ट किया बेबी बंप, पालतू बिल्ली के साथ दिए जमकर पोज

हाल ही में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा करने वाली एक्ट्रेस अमला पॉल ने नए साल के लिए एक मजेदार वीडियो साझा किया, जिसमें वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही हैं। उन्होंने कहा, वह सितारों

तक पहुंच रही हैं। 4 जनवरी को, अमला और उनके पति जगत देसाई ने अपने प्रेग्नेंसी फोटोशूट शेयर किया और बताया कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक रील शेयर की, जिसमें वह ग्रीन कलर का हॉल्टर नेक टॉप और ऑरेंज जॉगर्स पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने ग्रीन कलर के हेडबैंड और मिनिमल नेक पीस के साथ लुक को पूरा किया। अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करते हुए, अमला ने अपनी पालतू बिल्ली लोकी के साथ कई पोज दिए। वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखारू धरती पर जड़ें जमाना, सितारों तक पहुंचना।

अमला और जगत ने नवंबर 2023 में केरल के कोचि में शादी की थी। उनकी पहली शादी डायरेक्टर ए.एल. विजय से हुई थी, लेकिन 2017 में उनका तलाक हो गया। वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्होंने मलयालम फिल्म नीलाथमारा से एक्टिंग की शुरुआत की। उन्हें आखिरी बार भोला में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म आदुजीवितम और द्विज पाइपलाइन में हैं।

अजय देवगन ने मुंबई में रेड 2 की शूटिंग की शुरू

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म रेड 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। यह फिल्म 2018 की रिलीज रेड का सीक्वल है।एक्टर अगले सील के लिए निर्देशक राज कुमार गुप्ता के साथ फिर से जुड़ रहे हैं। फिल्म की शूटिंग शनिवार को मुंबई में शुरू हुई और इसे दिल्ली, मुंबई, यूपी और राजस्थान में शूट किया जाएगा।फिल्म व्यापार विश्लेषक तरण आदर्श ने अपने एक्स पर अपडेट साझा कियारू अजय देवगन रेड 2 की शूटिंग आज से शुरू कर रहे हैं... 15 नवंबर 2024 को फिल्म रिलीज होगी... आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक वापस आ गए हैं... अजय देवगन रेड (2018) के अगले सीक्वल रेड–2 के लिए निर्देशक राजकुमार गुप्ता के साथ फिर से जुड़े हैं।उन्होंने आगे लिखारू फिल्म की शूटिंग आज मुंबई में शुरू हो रही है और इसे बड़े पैमाने पर मुंबई, दिल्ली, यूपी और राजस्थान में शूट किया जाएगा। रेड 2 का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत

पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार कर रहे हैं। फिल्म सिनेमाघरों में 15 नवंबर 2024 को रिलीज होगी।एक्टर अगले सील में आईआरएस आयकर उपायुक्त अमय पटनायक की अपनी भूमिका को दोहराते हुए दिखाई देंगे। रेड 1980 के दशक में सरदार इंदर सिंह पर आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई वास्तविक आयकर छापेमारी पर आधारित है, जिसने 3 दिन और 2 रातों तक चलने वाली भारतीय इतिहास की सबसे लंबी छापेमारी के रूप में खुद को दूसरों से अलग किया।

फिल्म 12 वीं फेल की सफलता पर बोली कैटरीना कैफ मुझे लगता है कि आपको निडर होना चाहिए...

12वीं फेल की सफलता पर बॉलीवुड स्टार कैटरीना कैफ ने प्रतिक्रिया दी है. अभिनेता ने कहा कि इतनी छोटी और अंतरंग फिल्म की सफलता उद्योग में हर किसी के लिए एक उदाहरण होनी चाहिए। 12वीं फेल की सफलता पर बॉलीवुड स्टार कैटरीना कैफ ने प्रतिक्रिया दी है. अभिनेता ने कहा कि इतनी छोटी और अंतरंग फिल्म की सफलता उद्योग में हर किसी के लिए एक उदाहरण होनी चाहिए। फिल्म कंपेनियन से बात करते हुए, कैटरीना ने कहा, श्मुझे लगता है कि आपको अपनी पसंद में निडर होना चाहिए। इतनी अधिक गणना न करें। और मुझे लगता है कि यह वर्ष (2023) शायद मेरे लिए सबसे अच्छे वर्षों में से एक है जहां हम श्वेशक, हमने हाई ऑक्टेन एक्शन वाली व्यावसायिक ब्लॉकबस्टर फिल्में देखी हैं और हमने एक छोटी, अंतरंग फिल्म देखी है, 12वीं फेल, जिसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि यही वह उदाहरण है जिसकी हमें जरूरत है।श उन्होंने कहा, श्वगर किसी फिल्म की कहानी दिलचस्प है, तो उसे दर्शक मिल जाएंगे। संख्या की गणना करना निर्माताओं का काम है, लेकिन सही कहानियां बताना अभिनेताओं और निर्देशकों का काम है। वधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित, 12वीं फेल आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और उनकी आईआरएस अधिकारी साथी श्रद्धा जोशी की वास्तविक जीवन की कहानी के इर्द–गिर्द घूमती है। रिलीज होने पर, फिल्म को आम दर्शकों और मशहूर हस्तियों दोनों से व्यापक प्रशंसा मिली। कमल हासन और संजय दत्त जैसे सेलेब्स ने मैसी के प्रदर्शन और फिल्म की प्रशंसा की। इस बीच, कैटरीना कैफ अगली बार श्रीराम राघवन निर्देशित फिल्म श्मेरी क्रिसमसश में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बवाल के बाद डेविड धवन की फिल्म के लिए फिर साथ आएंगे वरुण धवन और जान्हवी कपूर?

वरुण धवन और जान्हवी कपूर की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों को फिल्म बवाल में खूब पसंद आयी थी। अब एक बार फिर से ये जोड़ी पर्दे पर वापस आ सकती हैं। दोनों सितारे एक नए प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आने के लिए तैयार हैं। वरुण धवन और जान्हवी कपूर की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों को फिल्म श्बवालश में खूब पसंद आयी थी। अब एक बार फिर से ये जोड़ी पर्दे पर वापस आ सकती हैं। दोनों सितारे एक नए प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आने के लिए तैयार हैं। इस बार, किसी और के नहीं बल्कि वरुण के पिता, प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता डेविड धवन के निर्देशन में फिल्म बन सकती हैं। जान्हवी कपूर, वरुण धवन एक बार फिर स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए तैयार हैं डेविड धवन, जो प्रतिष्ठित कॉमेडी बनाने में अपने शानदार करियर के लिए प्रसिद्ध हैं, एक बार फिर अपना जादू बुनने के लिए तैयार हैं, इस बार अपने बेटे वरुण और आकर्षक जान्हवी के साथ। विशेष रूप से पता चला है कि निर्देशक इस जोड़ी के लिए एक प्रोजेक्ट तैयार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह रीमेक है या ओरिजिनल स्क्रिप्ट।

घोषणा का इंतजार करें... करीना कपूर की टीम ने टाक्सीस में यश के साथ काम करने पर तोड़ी चुप्पी!

करीना कपूर खान की टीम ने आज एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है, करीना कपूर खान की अगली फिल्म को लेकर काफी अटकलें हैं। कुछ बेहद रोमांचक होने वाला है। हम सभी से आधिकारिक घोषणा का इंतजार करने का अनुरोध करते हैं। करीना कपूर खान की टीम ने आज एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है, श्करीना कपूर खान की अगली फिल्म को लेकर काफी अटकलें हैं। कुछ बेहद रोमांचक होने वाला है। हम सभी से आधिकारिक घोषणा का इंतजार करने का अनुरोध करते हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर अफवाहें फैल रही हैं कि बॉलीवुड अदाकारा करीना कपूर खान केजीएफ स्टार यश के साथ उनकी अगली फिल्म, जिसका नाम टॉक्सिक है, में काम करेंगी। फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास कर रहे हैं। हालांकि, अभिनेता ने भले ही अफवाहों पर सहमति नहीं जताई हो या इनकार किया हो, लेकिन उनकी टीम ने आखिरकार केजीएफ अभिनेता के साथ काम करने की खबर पर प्रतिक्रिया दी है। करीना कपूर खान की टीम ने आज एक बयान जारी किया है। उसमें कहा गया करीना कपूर खान की अगली फिल्म को लेकर काफी अटकलें हैं। हम प्रशंसकों के उत्साह और इच्छाओं को समझते हैं, हम मीडिया से अनुरोध करते हैं कि वे अभिनेत्री के अगले प्रोजेक्ट और इसकी स्टार कास्ट पर नजर रखें। इसके बारे में समय से पहले अनुमान लगाने से बचें। मुद्दा। कुछ बहुत ही रोमांचक होने वाला है। हम सभी से आधिकारिक घोषणा की प्रतीक्षा करने का अनुरोध करते हैं। हालांकि, बयान से यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि टीम किस फिल्म के बारे में बात कर रही है, लेकिन टॉक्सिक के बारे में हालिया चर्चा के साथ, ऐसा लगता है जैसे बेबो की टीम यश स्टारर को लेकर चल रही अटकलों के बारे में बात कर रहे है। अगर यश और करीना के साथ काम करने की खबरें सच हैं तो हिंदी और कन्नड़ अभिनेताओं को बड़े पर्दे पर साथ देखना रोमांचक होगा। हाल ही में करीना ने अपना नया साल अपने पति और बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और बच्चों जहांगीर अली खान और तैमूर अली खान के साथ स्विट्जरलैंड में बिताया। एक्ट्रेस ने वेकेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर कीं, जिन्हें फैंस का खूब प्यार मिला। करीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस आखिरी बार द बकिंघम मर्डर्स में नजर आई थीं, जिसे हंसल मेहता ने डायरेक्ट किया

था। उन्होंने जाने जान के साथ अपना ओटीटी डेब्यू भी किया, जिसमें विजय वर्मा और जयदीप अहलावत भी थे। वह अगली बार फिल्म द क्रू में नजर आएंगी।

विवाहिता की चाकू से गला रेत कर हत्या

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवड़ा जिले के गौरी बाजार थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई है यहां मंगलवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने एक विवाहिता की चाकुओं से गला रेत हत्या कर दी, बताया जा रहा विवाहिता देर शाम अपनी दुकान बन्द कर घर जा रही थी, जिसका शव गौरी बाजार के असनहर के पास मिला, वहीं विवाहिता के मायका वालों ने ससुराल वालों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। जानकारी मे मुताबिक आपको बता दे कि गौरी बाजार के पतरहट गांव निवासी राम बच्चन मौर्य की बेटी दामिनी मौर्य 7 साल पहले खुखुंदू थाना क्षेत्र के रहने वाले अमित मौर्य से लव मैरिज की थी, दामिनी का एक 5 साल का बेटा भी है, बताया जा रहा है ससुराल वालों से किसी बात को लेकर दामिनी नाराज चल रही थी, जिसके बाद वह अपने मायके में रह कर खोराराम चौराहे पर एक रेडिमेट कपड़े की दुकान चला रही थी, परिजनों के अनुसार दामिनी मंगलवार शाम

को दुकान बन्द कर घर के लिए निकली थी और उसने फोन कर बताया कि वह असनहर मार्ग से घर आ रही, लेकिन देर रात तक जब वह घर नही लौटी तो परिजन परेशान हो गए और बेटी की खोज में जुट गए वही जब घर वाले उसे खोजते असनहर पालीटेक्निक स्कूल से कुछ दूर पहुंचे तो उन्हें नहर के किनारे उसकी स्कूटी दिखाई पड़ी जिस पर खून के छीटें लगे हुए थे यह देख परिजन और घबरा गए इधर–उधर देखने के बाद स्कूटी से कुछ दूरी पर दामिनी का खून से लथपथ शव पड़ा हुआ था, बेटी का शव देख परिजन दहाड़ मार कर रोने लगे तभी किसी ने इसकी सूचना डायल 112 को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही दामिनी के परिजनों ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है और गौरी बाजार थाने में तहरीर दी है तहरीर के आधार पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है।

कलेक्ट्रेट परिसर में डीएम ने किया ईवीएम प्रदर्शन का शुभारंभ

संवाददाता

बांदा। जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बुधवार को निर्वाचन आयोग के निर्देश पर कलेक्ट्रेट परिसर में ईवीएम प्रदर्शन केन्द्र पर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, वीयू, सीयू एवं वीवीपैट के प्रदर्शन का शुभारंभ किया। प्रदर्शन में उन्होंने ईवीएम मशीन से वोटिंग किये जाने की प्रक्रिया, वीवीपैट के कार्य एवं मतदान के पश्चात पर्ची निकलने के सम्बन्ध में जानकारी तथा ईवीएम मशीन को वैलेट यूनिट व कन्ट्रोल यूनिट से जोड़ने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में अपने सामने प्रदर्शन कराया और कार्मिकों से जानकारी हासिल की। उन्होंने बताया कि कलेक्ट्रेट के साथ–साथ ईवीएम प्रदर्शन केन्द्र का संचालन जनपद की समस्त तहसील मुख्यालय में भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ईवीएम का प्रदर्शन निर्वाचन प्रक्रिया में पारिदर्शिता रखने के लिए और लोगों को ईवीएम मशीन से वोटिंग के सम्बन्ध में जागरूकता लाने के लिए प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि ईवीएम के प्रदर्शन एवं जागरूकता के लिए कर्मियों की ड्यूटी लगायी गई है, जो प्रतिदिन ईवीएम के सम्बन्ध में लोगों को जानकारी प्रदान करेंगे। इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अमिताभ यादव सहित प्रधानाचार्य आईटीआई व सेन्टर के कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार, पांच किलो गांजा बरामद

संवाददाता।

बांदा। अवैध सूखे गांजे की तस्करी करने वाले तीन अभियुक्तों को पैलानी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से पांच किलोग्राम सूखा गांजा बरामद किया है। मुख्य अभियुक्त के खिलाफ पहले से हत्या की कोशिश और चोरी के मुकदमे मऊ में दर्ज हैं।

मंगलवार की रात को थाना पैलानी पुलिस द्वारा अवैध सूखे गांजे की तस्करी करने वाले तीन अभियुक्तों को नरी गांव के पास से गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से 05 किलोग्राम अवैध सूखा गांजा व अवैध गांजे के परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। मुख्य अभियुक्त अनिल यादव के ऊपर जनपद मऊ में पहले से ही हत्या की कोशिश, चोरी आदि मामलें में आधा दर्जन मुकदमें दर्ज हैं। पकड़े गए अभियुक्तों ने अपना नाम अनिल यादव पुत्र बलिराज निवासी कोपा कोहना थाना कोपागंज जनपद मऊ मुख्य अभियुक्त, सोमदत्त उर्फ अंकुल पुत्र जयध्वज त्रिपाठी निवासी गोखरही थाना तिन्दवारी और दिव्यांश उर्फ पप्पू अनुरागी पुत्र सौखीलाल निवासी पचनेही थाना कोतवाली देहात बताया है। पुलिस टीम में उप निरीक्षक चंद्रजीत यादव, कांस्टेबल विजय सिंह, प्रशांत यादव, रंजीत यादव शामिल हैं।

स्मैक तस्कर को पुलिस ने दबोचा

बांदा। मंगलवार रात को थाना पैलानी पुलिस ने अवैध स्मैक की तस्करी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के कब्जे से लगभग 2.2 लाख रुपये कीमत का अवैध स्मैक बरामद हुई है। पैलानी डेरा तिराहे से गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना नाम सुशील कुमार पुत्र कल्लू प्रसाद निवासी छनेहरा लालपुर बताया है। उसके पास से 22 ग्राम स्मैक, एक बाइक, एक मोबाइल फोन और 250 रुपए नगद बरामद किए गए हैं।

हरदौली गांव में पानी का संकट, परेशान ग्रामीण

बांदा। बुंदेलखंड इंसाफ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एएस नोमानी ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में बताया कि ग्राम हरदौली तहसील बबेरू में नमामि गंगे योजना का कार्य चल रहा है। कार्य की धीमी गति की वजह से लगभग विगत 10 दिनों से ग्राम हरदौली के ग्रामवासी एक–एक बाल्टी पानी के लिए तरस रहे हैं। हरदौली गांव में रहने वाली हजारों की आबादी पानी के लिए परेशान है। बुंदेलखंड इंसाफ सेना ने जनहित को देखते हुए नमामि गंगे योजना के कार्य की गति को बढ़ाने और पानी संकट का समाधान कराते हुए पेयजल टैंकर भेजे जाने कि मांग की है।

लाभार्थियों का शत-प्रतिशत केवाईसी करवाएं गैस एजेंसी संचालक डीएम

बांदा। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के महर्षि बामदेव सभागार में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को निशुल्क एलपीजी सिलेण्डर उपलब्ध कराये जाने के लिए ई–केवाईसी कराये जाने तथा प्राथमिक विद्यालयों में मिड डे मील योजना के लिए गैस सिलेण्डर की उपलब्धता समय से कराये जाने के सम्बन्ध में गैस एजेन्सियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने गैस एजेन्सियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिये कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को निशुल्क सिलेण्डर वितरण कराये जाने के लिए शत–प्रतिशत लाभार्थियों का ई–केवाईसी कराया जाए। बैठक में बताया गया कि जनपद में कुल 241366 उज्जवला लाभार्थियों के सापेक्ष अभी तक 148530 लाभार्थियों की ई–केवाईसी कराया जा चुका है। बैठक में बताया गया कि ई–केवाईसी कराये जाने के कार्य में जनपद में बेहतर कार्य किया गया है तथा जनपद बांदा प्रदेश में बेहतर जनपदों में है। उन्होंने गैस एजेन्सी संचालकों को निर्देश दिये कि शेष बचे हुए लाभार्थियों में से प्रत्येक एजेंसी प्रतिदिन कम से कम 100 लाभार्थियों के ई–केवाईसी कराये जाने के साथ सभी लाभार्थियों का इस माह ई केवाईसी पूर्ण किया जाए। जनपद में 38 गैस एजेन्सियां संचालित हैं। उन्होंने गैस एजेन्सियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिये हैं कि उक्त कार्य को गम्भीरता से लेते हुए प्राथमिकता पर सम्पादित करायें, अन्यथा सम्बन्धित गैस एजेन्सी के द्वारा आधार सीडिंग एवं ई–केवाईसी के अवशेष कार्य को पूर्ण न करने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

अपराधियों को बचाने का काम कर रही भाजपा

– कांग्रेसियों ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा

–बांदा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की अगुआई में कांग्रेसियों ने बुधवार को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेसियों ने महिला सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। यह भी कहा है कि बीएचयू छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले लोगों को भाजपा बचाने का प्रयास कर रही है। प्रशासनिक अधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेसियों ने कहा कि पूरा प्रदेश अपराध की आग में जल रहा है। अपराधी बेखौफ होकर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। वर्ष 2023 एनसीआरबी रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश महिलाओं के प्रति अपराधों के मामलों में पहले स्थान पर है। इसी रिपोर्ट के अनुसार भारत में होने वाले अपराधों में 15 प्रतिशत अपराध उत्तर प्रदेश में होते हैं। कांग्रेसियों ने कहा कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 2 नवंबर 2023 को आईआईटी बीएचयू की छात्रा की तीन भाजपा के युवाओं के द्वारा बेखौफ होकर जबरन गनप्वाइंट पर अश्लील वीडियो बनाई और दुष्कर्म किया गया। आरोपियों की पहचान और पुष्टि होने के बावजूद भाजपा द्वारा उन्हें बचाने की नीयत से मध्य प्रदेश चुनाव में भेज दिया गया। पहचान होने के बाद भी गिरफ्तार करने में दो महीने का समय क्यों लगा। कांग्रेसियों ने कहा कि भाजपा आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेसियों ने उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा को सुनिश्चित किए जाने के अलावा अन्य मांगें की गई हैं। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रद्युम्न दुबे लालू के अलावा राममिलन सिंह, रफत खान, रम्मू प्रसाद वर्मा, राजेश, नाथूराम सेन आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक समेत दो की मौत

नैनी पुत्र भिंज्जु के साथ बाइक में सवार होकर कस्बे बाजार करने आ रहे थे। कस्बे के नजदीक बजरंग चौराहे के पास डिवाइडर से मुड़ते ही पीछे से चले आ रहे अनियंत्रित वाहन दोनों को रौंदते हुए भाग खड़ा हुआ।बाइक चला रहे नौगवां अंश केवटरा निवासी कल्लू (20) वर्षीय पुत्र भिंज्जु की मौके पर ही मौत हो गयी। सुनसान जगह होने के कारण कोई भी वाहन को नही देख पाया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुचे कोतवाली निरीक्षक अनिल सैनी उपनिरीक्षक इंदल यादव ने घायल अवस्था मे पड़े जगत देव निषाद को तुरंत अस्पताल भेजा लेकिन उसने भी रास्ते मे दम तोड़ दी।जब सड़क हादसे के घटना की सूचना मृतक के परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया।अस्पताल परिसर के बाहर एक साथ दो शवो को देख परिजन बदहवास हो गए।कोतवाली पुलिस मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया। दोनो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

ठंड की चपेट में आए वृद्धकी मौत, परिजनों में मातम

बदौसा। जनवरी माह की कड़ाके की ठंड जानलेवा साबित हो रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद गरीब सर्दी से अपना बचाव नहीं कर पा रहे हैं। ठंड की चपेट में आया एक अधेड़ अकड़ गया। परिजनों जब देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। इससे परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। बदौसा थाना क्षेत्र के बरछा–ब गांव निवासी गोला (55) पुत्र खेलावा को ठंड ने अपनी चपेट में ले लिया। इससे वह अकड़ गया। परिजनों ने देखा तो उसका घरेलू उपचार किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। गोला की मौत हो जाने से परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक गोला के एक लड़का व एक लड़की है। दोनो विवाहित हैं। घर की आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से लड़का छंगा बीमार पिता को छोड़कर सूरत मजदूरी करने चला गया था। घर में उसकी पत्नी व बहू थी। मृतक की पत्नी कई साल पहले बदौसा में ईंटा पाथते समय मिट्टी का टीला गिर जाने से दोनो हांथ व पैरों से बिकलांग हो गयी थी। उसे किसी भी प्रकार की कोई सहायता नहीं मिली। लोगों का कहना है कि कंबल का वितरण क्षेत्र में नहीं किया गया। इसके साथ ही अलाव भी नहीं जलवाए गए हैं।

लोक सभा निर्वाचन 2024 हेतु व्यय होने वाली सामग्रियों के दृष्टिगत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ डीएम ने की बैठक

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे 10 जनवरी को लोकसभा सामान निर्वाचन–2024 के दृष्टिगत चुनाव प्रचार मे प्रयोग होने वाली विभिन्न सामग्रियों के दर निर्धारण हेतु जिलाधिकारी ए जिला निर्वाचन अधिकारी अखंड प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आवश्यक बैठक आज सायं कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 में प्रतिभाग करने वाले प्रत्याशियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित व्यय सीमा के अधीन ही खर्च करना होगा। ऐसे में चुनाव प्रचार में प्रयोग होने वाले विभिन्न प्रचार–प्रसार सामग्रियों, वाहन, कार्यालय व्यय

की दर का निर्धारण किया जाना आवश्यक होता है। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से वाहन, कार्यालय, टोपी, झंडा, होर्डिंग्स एलईडी, बैनर, ड्राइवर, नास्ता, पंडाल, सभा स्थल, फूल माला, बुके सहित कुल 92 सामग्रियों हेतु दरों के निर्धारण पर व्यापक विमर्श किया गया। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, एडीएम वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार राय, वरिष्ठ कोषाधिकारी अतुल कुमार पांडेय, एआरटीओ आशुतोष शुक्ला, भाजपा से अजय उपाध्याय, सपा से छेदीलाल यादव, बीएसपी से दूधनाथ एडवोकेट, कांग्रेस से अशोक कुशवाहा, आम आदमी पार्टी से सुरेंद्र प्रताप वर्मा व राजेश चौरसिया सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे।

घर–घर पहुंचाए जा रहे हैं अक्षत और पत्रक

– प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति के सदस्य कर रहे भ्रमण

संवाददता बांदा। अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान अक्षत और पत्रकों का वितरण कर आमंत्रण दिया जा रहा है। आगामी 22 जनवरी को होने वाले ऐतिहासिक कार्यक्रम के दिन लोगों से मंदिरों को सजा संवारकर दिये जलाते हुए दीवाली मनाए जाने का आग्रह किया जा रहा है। लगभग 500 वर्ष के संघर्ष व लाखों बलिदान के बाद ऐसा अवसर आया है कि भगवान प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर अयोध्या धाम में बन गया है और उसका भव्य शुभारंभ 22 जनवरी 2024 को होना है। यह अवसर निश्चित ही प्रत्येक रामभक्त के लिए गौरव का विषय है और प्रत्येक व्यक्ति वहां पर पहुंच कर भव्य श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होना चाहता है। विश्व हिंदू परिषद ने यह तय किया है कि प्रत्येक व्यक्ति अगर वहां पहुंचेगा तो व्यवस्थाएं बिगड़ सकती हैं अतः इसलिए स्वयं प्रधानमंत्री ने भी यह संदेश दिया है कि, प्रत्येक मोहल्ले गलियों में स्थित मंदिरों की साफ सफाई की जाए व वहां पर पूजन कार्यक्रम, राम कीर्तन, सुंदरकांड, भजन इत्यादि कर भगवान श्रीराम के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित हो सके व उन स्थानों में एलईडी स्क्रीन या डिस्प्ले लगाकर अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण भी लोगों को दिखाया जा सके। इसके तहत नगर में भी भव्य आयोजन की पूरी तैयारी है। जिसके तहत पिछले दिनों अयोध्या से आए हुए अक्षर कलश की एक भव्य यात्रा आयोजित भी की गई थी। जिसमें हजारों लोगों के साथ–साथ हाथी, घोड़े, राम दरबार के रथ, पूज्य संत महात्माओं ने अपने आशीर्वाद भी दिए थे। उस भव्य यात्रा के बाद बांदा में राम भक्तों के अंदर एक अलग उत्साह देखने को मिला और इस अक्षत वितरण अभियान में जो की 1 जनवरी से 15 जनवरी तक चलना है इसमें वह उत्सव साफ नजर आ रहा है। श्री रामजन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति के कार्यकर्ता व रामभक्त प्रत्येक घरों में अयोध्या से आए हुए अक्षत राम मंदिर का चित्र व अयोध्या के संघर्ष की कहानी वाले पत्रक का वितरण युद्ध स्तर पर कर रहे हैं। बांदा के प्रत्येक परिवार तक यह पत्रक व अक्षत पहुंचाने का कार्य बहुत ही तेजी से और उत्साह पूर्ण तरीके से हो रहा है। यह बता दें कि अभी तक लगभग 12 से 15 हजार घरों में अक्षत वह पत्र पहुंचा जा चुके हैं और अभी 15 जनवरी तक यह कार्य अनवरत चलना है। इस उद्देश्य के साथ की कोई भी राम भक्त का परिवार छूटे ना और प्रत्येक परिवार में जाकर अक्षत देकर उनको व उनके परिवार को उस बस्ती में स्थित मंदिर में आने का आमंत्रण दिया जा रहा है। श्री रामजन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति बांदा नगर के संयोजक जगदीश पटेल ने बताया कि, अभी तक हम विस्तृत रूप से कार्य को कर रहे हैं और प्रत्येक परिवार में पहुंचने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। श्री रामजन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति नगर के सहसंयोजक निखिल सक्सेना ने बताया कि बांदा नगर को 31 बस्तियों में विभाजित किया गया है जिनमें 50 से 100 की संख्या में कार्यकर्ता यह कार्य कर रहे हैं। सभी कार्यकर्ताओं में एक अलग उत्साह देखने को मिल रहा है प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी क्षमता से ज्यादा कार्य करने के लिए लगा हुआ है और कई घरों में भिन्न–भिन्न प्रकार की बातें भी सुनने को मिल रही हैं जो अयोध्या के संघर्ष के विषय में हैं।

सीसी रोड को तरस रही पट्टन पुरवा की बस्ती

– कई बार शिकायतों के बावजूद जनप्रतिनिधि व अधिकारी बने बेपरवाह

बांदा। सदर तहसील क्षेत्र के मवई बुजुर्ग पट्टन पुरवा बस्ती के बाशिंदोंको आवागमन के लिए एक सीसी रोड की दरकार है। सड़क न होने के कारण ग्रामीणो व स्कूल आने जाने वाले छोटे–छोटे बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्थानीय बाशिंदों ने इसकी शिकायत कई बार उच्च अधिकारियों व ग्राम प्रधान के साथ ही सचिव को लिखित रूप से की, लेकिन आश्वासन के अलावा आज तक उन्हें कुद नहीं मिल पाया। स्थानीय ग्रामीणों की मानें तो खड़ंजा तो पड़ा हुआ है, मगर खड़ंजे के रास्ते पर छोटे–छोटे बबूल के पेड़ हरा घास आदि जमा हो गए हैं जिससे आम रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है। मजबूरन एक कच्चे रास्ते से निकलना पड़ रहा है, जो वो भी बरसात होने पर वहां कीचड हो जाता है, अगर कभी कोई बीमार हो जाता है तो उसको अस्पताल तक ले जाने के लिए कच्चे रास्ते से निकलना पड़ता है। बस्ती निवासी शिवशरण वर्मा ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए जिलाधिकारी को कई बार प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है, लेकिन इस ओर न तो जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे हैं और न ही प्रशासन। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द सीसी रोड व नाली निर्माण करवा दिया जाए, जिससे इस समस्या से निजात मिल सके और आम जनमानस को आवागमन के लिए सड़क मुहैया हो सके।

पोर्टल पर अपलोड़ आख्या रहे पठनीय – डीएम

–आईजीआरएस में शिकायती पत्र नहीं रहना चाहिए डिफाल्टर

संवाददाता।

चित्रकूट। आईजीआरएस पोर्टल पर सन्दर्भों का गुणवत्तापूर्वक निस्तारण किये जाने को लेकर डीएम अभिषेक आंनद ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियो के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर कोई भी शिकायती पत्र डिफाल्टर न होने पाये। इसकी समीक्षा सीधे शासन स्तर से की जाती है। शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण करते हुए अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता से वार्ता कर सहमति प्राप्त करेंगे। बताया कि आख्या में आपत्ति लगाये जाने के सम्बन्ध में अधीनस्थ अधिकारी से प्राप्त आख्या पर उच्चाधिकारी मात्र एक बार ही आपत्ति लगा सकेंगे। इसके उपरान्त अधीनस्थ अधिकारी को पुनः आख्या लगाए जाने के लिए सात दिवस रहेंगें। इसके बाद सन्दर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में गिना जायेगा। अपलोड की गई आख्या के असंतोषजनक होने की स्थिति में अधीनस्थ अधिकारी का स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए पत्र जारी किया जायेगा। अधीनस्थ अधिकारी से अन्य मामलो में संशोधन आख्या प्राप्त कर पोर्टल पर अपलोड की जायेगी। इस प्रकार से उच्च स्तर से पुनः संशोधित आख्या अपलोड किये जाने पर अधीनस्थ अधिकारी को सन्दर्भ में सी श्रेणी प्राप्त होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आख्या पठनीय नहीं होती है उसमें भी सुधार कराएं। एडीएम को निर्देश दिए कि जिनकी स्पेशल क्लोज जीरो है उनको कारण बताओं नोटिस जारी करें। सभी लोग गंभीरतापूर्वक कार्य करें। इस अवसर पर एडीएम वंदिता श्रीवास्तव, सदर एसडीएम सौरभ यादव, मानिकपुर एसडीएम रामजन्म यादव, मऊ एसडीएम राकेश कुमार पाठक, एसडीएम राजापुर प्रमोद कुमार झा, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, अपर एसडीएम न्यायिक मोहम्मद जसीम अहमद, अपर एसडीएम पंकज वर्मा सहित संबंधित विभाग अध्यक्ष व ऑपरेटर उपस्थित रहे।

संस्कृति उत्सव से होगी मानव मूल्यों की स्थापनाः कुलपति

–विवि में संपन्न हुई सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश पर्व हमारी संस्कृति–हमारी पहचान के अंतर्गत संस्कृति उत्सव मे जनपद के सांस्कृतिक दलों की जिला स्तरीय प्रतियोगिता जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के अष्टावक्र सभागार में हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय ने किया। इस मौके पर प्रो. पांडेय ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों में मानव मूल्यों को स्थापित करने में आयोजन की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नवोदित कलाकारों की पहचान कर प्रतिभा संवर्धन में मील का पत्थर सिद्ध होगा। सीडीओ ने आयोजन को सरकार का अभिनव प्रयास बताया। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी सचिव जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद अनुपम श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की भूमिका को प्रस्तुत करते हुए इसके औचित्य को स्पष्ट किया। संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष डॉ गोपाल कुमार मिश्र को मंडलीय नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गायन प्रतियोगिता के अंतर्गत लोक गायन, सुगम संगीत में गीत, गजल, वादन में तबला, हारमोनियम, कथक, लोक नृत्य, आदिवासी संगीत की प्रस्तुतियां दी। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में डॉ ज्योति विश्वकर्मा, मिर्जापुर से डॉ अर्चना पांडेय, डॉ विशेष नारायण मिश्र,

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।